

2015-2016



LORETO CONVENT SCHOOL

Doranda, Ranchi

MUSINGS



We acknowledge with gratitude the generous monetary contribution of our parents towards the publishing of this magazine.

Dr. Nitin Sharan	11,000
A Well Wisher	11,000
Mr. Ravish Verma	5,000
Mr. Rajesh Sehgal	5,000
Mr. Dushyant Jaiswal	5,000
Mr. Rakesh Prasad	3,000
Mr. Anand J. Tigga	2,000
Mr. Sunil Kumar Sinha	2,000
Dr. Pankaj Kumar	2,000
Mr. Mohobhar Lal Vijay	1,500
Mrs. Niti Modi Poddar	1,500
Mr. Navin Kumar	1,200
Mr. Ajay Kumar Agarwal	1,080
Mr. Philip Khalkho	1,010
Mr. Jonas Lal Marandi	1,000
Mr. Melan Jalan	1,000
Mr. Pravir Prakash	1,000
Dr. Suranjan Sarkar	1,000
Mr. Dinanath Kumar	1,000
Mr. Niraj John Hemrom	1,000
Mr. Rajeey Ranjan	1,000
Lt. Col. Pawan Rawat	1,000
Mr. Ravikant Thakur	1,000
Mr. Mukesh Taneja	1,000
Mr. Sarwan Kumar Jalan	1,000
Mr. Prashant Kumar	1,000
Mr. Navin Modi	1,000
Mr. Gulshan Sharma	1,000
Mr. Niranjan Kumar	600
Mr. Pratyush Kumar	550
Mr. Rakesh Ranjan	500
Dr. P.N. Pandey	500
Mr. Kishor Kunal	500

Mr. Ajeet Pandey	500
Mr. Pankaj Kumar Srivastava	500
Mr. Rajesh Panjwani	500
Mr. Partha Saha	500
Mr. Prabhat Aind	500
Mr. Asjad Parwez Khan	500
Mr. Nawin Kumar Mishra	500
Mr. Alfred M. Masih	500
Mr. Avinash Kumar	500
Mr. Praveen Kumar	500
Mr. Simon Lakra	500
Mr. Manoj Kumar Saini	500
Mr. Ajit Peter Dungdung	500
Mr. Rakesh Kumar	500
Mr. Rakesh Tiga	500
Mr. Anup Kumar	500
Mr. Suman Kumar Kullu	500
Mr. Sukhdev Singh	500
Mr. Manoj Kumar Pathak	500
Mr. Sunil Midha	500
Mr. Alok Kumar Tiwary	500
Justice Harish Chandra Mishra	500
Mr. Saket Modi	500
Mr. Sushil Kumar Verma	500
Mr. S.C.M. Tiwari	500
Mr. Manoj Pareek	500
Mr. Rakesh Kumar	500
Mrs. Chandra Rashmi	500
Mr. Tarun Anthony D'costa	500
Mr. Hrishikesh Jha	500
Dr. Vijay Mishra	500
Mr. Alok Kumar Singh	500
Mr. Anup Kumar	500

Total 82,940

Class	Amount
Pre-Prep.	100
Class Prep	5,230
Class I	8,200
Class II	7,915
Class III	8,460
Class IV	3,831

Class	Amount
Class V	5,870
Class VI	12,630
Class VII	9,450
Class VIII	12,450
Class IX	11,650
Class XI	650



Artistic Skills



Vaishnavi Mahadoo, V 'B'



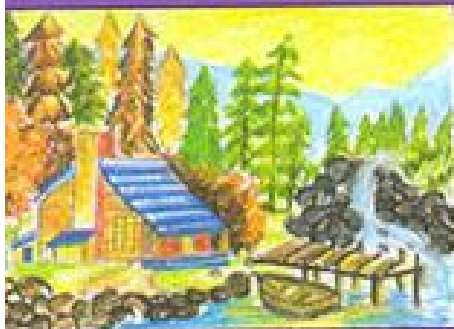
Aastha Mishra, V 'B'



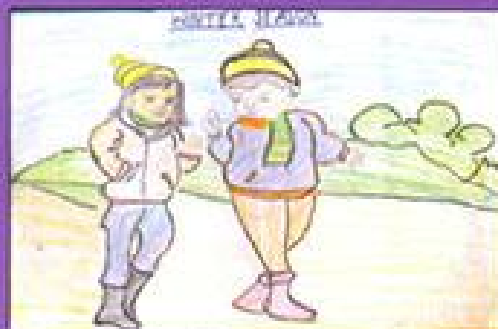
Kanak Priya, III 'B'



Zunara, II 'C'



Smita Beshra, V 'C'



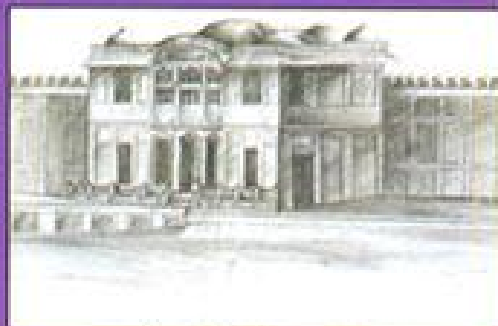
Prachi, III 'C'



Poorna Manisha Kujur, V 'A'



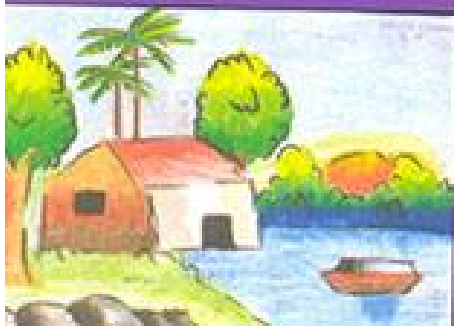
Shreya Pandey, V 'B'



Shalini Smriti Lakra, X 'B'



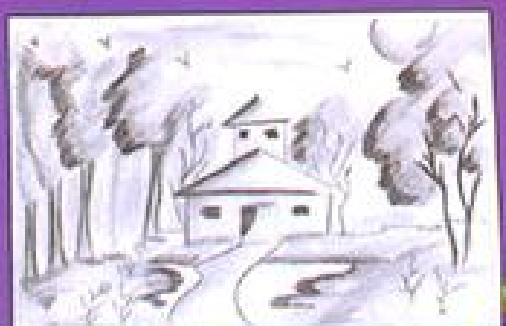
Akshata Singh, V 'W'



Navya Chhabra, II 'B'



Prachi Prasad, IV 'A'



Ayushi Kriti Nath, V 'B'

Artistic Skills



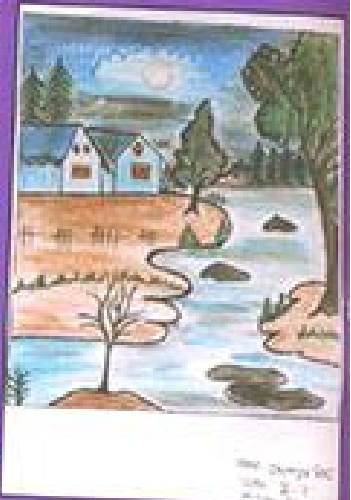
Riya Mukherjee, VIII B



Sapna Dha, III C



Sarah Hussain Afzal, VIII B



Saurya Raj, II C



Shatabdi Sarkar, V C



Shikhi Jha, V A



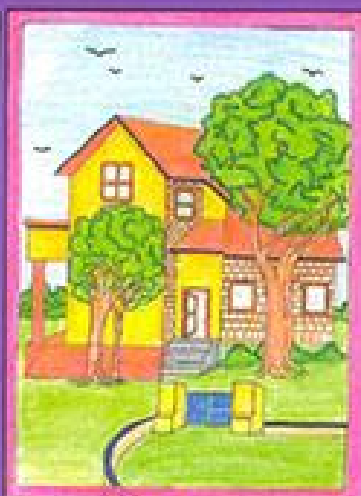
Shreya Shalini Kujur, IX C



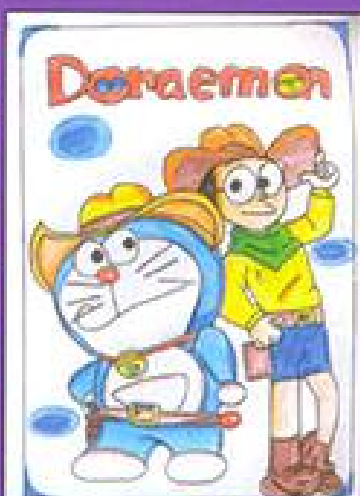
Someya Priya, II B



Subhosree Pat, VIII C



Sugandha Rani, V B



Tanvi Choudhary, IV A



Tanvi Gaurav, X B

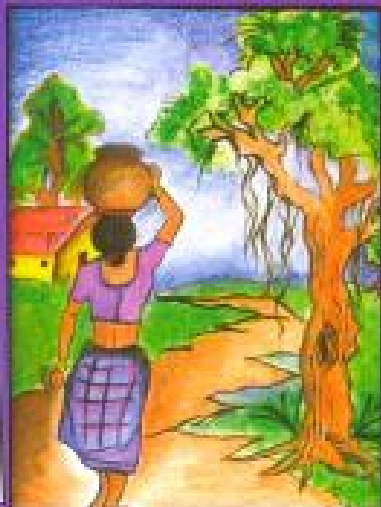




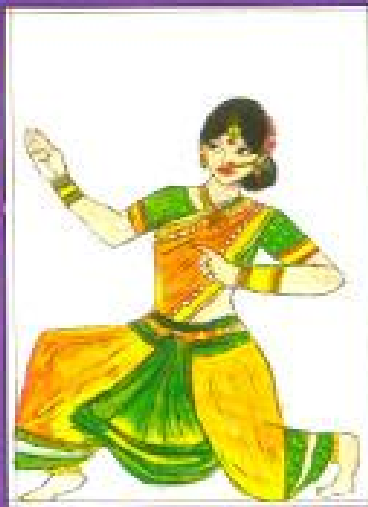
Artistic Skills



Jaskirat Kaur, VI 'C'



Jesika Ghosh, VII 'B'



Kritika Orann, V 'B'



Maaheshwari Nishan, IX 'A'



Mahima Kachhap, VI 'C'



Megha Giri, V 'B'



Nishtha Baniwal, VII 'A'



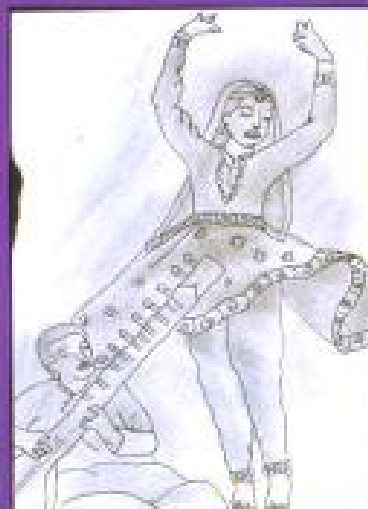
Prachi, IX 'B'



Pratishtha Chacha, III 'A'



Priya Ghosh, VII 'A'



Priyanshi Kirmani, V 'C'



Rajnandani, V 'B'



Artistic Skills



Aditi Prakash, IX 'A'



Alice Ritika Sorong, V 'B'



Ananya Verma, V 'C'



Ananya Verma, V 'C'



Anshu Edlin Dhan, VIII 'A'



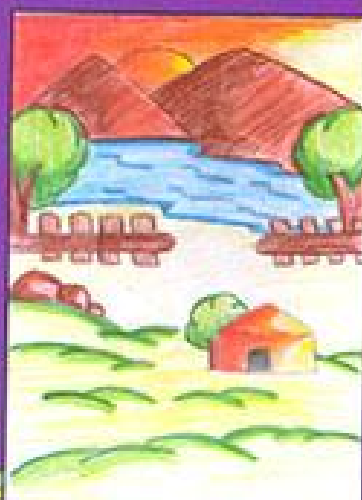
Anshu Edlin, VIII 'A'



Arpit Soy, VIII 'A'



Ashima Tuli, VI 'B'



Epil Koro, II 'A'



Debashrita Mahata, IX 'B'



Gauri Medha, VII 'A'



Harjot Kaur, VI 'B'

TEACHERS DAY CELEBRATION



CYBER SECURITY & SAFETY OF WOMEN

Be Aware
Be Vigilant



Be Vocal
Be Safe

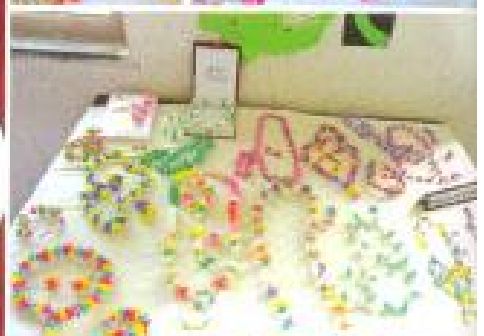
7
h
a
n
k
s
!



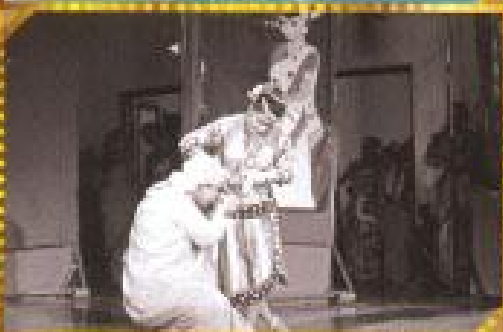
JUNIOR SPORTS



CRAFT EXHIBITION (JUNIOR SECTION)



CONCERT - 2015 (SENIOR)



जारी रखने के लिए कुछ आर्थिक सहायता की जरूरत है। आप अपने मम्मी-पापा को कहें कि वे मेरी आर्थिक सहायता करें।" मैंने सोचा 'मम्मी-पापा तो घर में हैं नहीं। मैं इसकी किस प्रकार से आर्थिक सहायता कर सकती हूँ?' मेरे मन में विचार आया कि मुझे इसकी मदद अवश्य करनी होगी। वैसे भी, मैं अबतक केवल एक की ही मदद कर पाई थी। मैंने अपने बचत के पैसे से पचास रुपये निकालकर उसे दे दिया। लेकिन मैं उसे अपने अंदर के भय की वजह से आगे तीन की मदद करने को नहीं बोल सकी। इस बार, मैंने मदद तो कर दी लेकिन मम्मी-पापा की अनुपस्थिति में अपने घर के बाहर का दरवाजा खोलने के कारण मुझे अच्छी डाँट मिली। मैंने भी महसूस किया कि मुझे मम्मी-पापा की अनुपस्थिति में अपने घर का दरवाजा नहीं खोलना चाहिए था और इस प्रकार की गलती किसी को नहीं करनी चाहिए।

मैं, अब तक दो की मदद कर चुकी थी। मुझे, अब भी एक की मदद करनी थी। मैं सोच रही थी कि क्या हम सबों को केवल तीन की ही मदद करनी चाहिए। यदि हम किसी से मदद नहीं ले पाये तो क्या हमें किसी की मदद करने की जरूरत नहीं है? मैंने इस प्रश्न को मम्मी-पापा के पास रखा। उन्होंने कहा— 'हमें, हमारी मदद की जरूरत जब किसी को पड़े अवश्य करना चाहिए परंतु, जब तुम्हारी कोई मदद करें तो आने वाले समय में किसी तीन को हर हाल में और अपने व्यस्त समय होने के बावजूद भी बिना किसी बहाने के अवश्य करनी चाहिए'।

उस दिन, मम्मी बाथरूम में थी और मेरे सिवा घर में कोई नहीं था। उस दिन मेरे स्कूल की छुट्टी थी। बगलवाली आंटी की सास का फोन आया था जो काफी उम्रदराज

थीं। अंकल-आंटी जब घर से बाहर नौकरी करने जाते थे तो आंटी की सास के गले में मोबाइल फोन डाल दिया जाता था ताकि वे जरूरत पड़ने पर किसी को आसानी से खबर कर सकें। घर की एक घागी आंटी हमलोगों को देकर जाती थी। मम्मी के बाथरूम में होने की वजह से मैं समझ नहीं पा रही थी कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं अधिक देर तक कुछ सोच-विचार करती तब तक आंटी का फोन भी आ गया था। मैंने आंटी के घर की चाबी ली और आंटी के घर का दरवाजा खोलकर घर के अंदर चली गई। आंटी की सास बाथरूम में गिरी पड़ी थी। मैंने उन्हें सहारा देकर उठाया। भगवान का लाख-लाख शुक्र था कि वे पतली-दुबली थी इसलिए मैं उन्हें उठा पाई तब तक और लोग भी आ चुके थे और आंटी की सास को हॉस्पिटल ले गए। इस प्रकार मैंने अपनी मदद का जरूरी कोटा पूरा कर लिया था। परन्तु, मुझे आगे भी जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद करनी थी।

आंटी की सास हॉस्पिटल से वापस आ गई। आंटी एक दिन मेरे लिए ढेर सारा केक और टॉफी लेकर आई और अपनी सास की मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। मैंने उन्हें कहा— 'आंटी-केक, टॉफी खिलौने और धन्यवाद देने से आपका काम नहीं चलने वाला है। आपको मेरे द्वारा की गई मदद के बदले में तीन की मदद करनी होगी और आगे उन तीनों को भी अन्य तीन की मदद करने को कहना होगा।'

यह प्रमाणित किया जाता है कि यह कहानी मौलिक, अप्रसारित एवं अप्रकाशित है।

- हर्षिता
कथन ४

“हिन्दी है भारत की शान”
“हिन्दी से है हिन्दुस्तान”

आप भी आगे तीन की मदद करें

पापा ने मुझसे वादा किया था, वे मुझे बड़े दिन की छुट्टी में थियेटर ले जाकर मूवी दिखाएँगे। साल का पूरा दिन तो बस स्कूल का होम वर्क, प्रोजेक्ट वर्क आदि को ही पूरा करने में बीत जाता था टीवी में दिखाई जाने वाली मूवी की कहानी समय की कमी के कारण शायद ही कभी पूरी देख पाती थी। मैं लगभग दो वर्षों के बाद थियेटर जाकर मूवी देखने वाली थी। थियेटर जाने वाले दिन मैं भी अन्य बच्चों की तरह काफी अहल्लादित थी। थियेटर के अंदर प्रवेश करते ही मुझे मनोरंजन की एक नई दुनिया में प्रवेश होने का अहसास हुआ। मैंने, वहाँ पॉपकॉर्न खाया और पूरी मूवी का मजा लिया और उसे ध्यान से देखा। मूवी की कहानी काफी शिक्षाप्रद थी। मूवी से, मुझे यह शिक्षा मिली कि 'यदि आप किसी की मदद करते हो और बदले में यह आपको केवल बेंकस कहकर जाना चाहे तो आप उससे कहे कि वह बदले में किसी तीन की मदद करें और उन तीनों को भी आगे अन्य तीन की मदद करने को कहें।' मैंने सोचा कि काश हमारे देश के सभी लोग ऐसा करने लगे तो हमारे देश से गरीबी-अमीरी की खाई हमेशा-हमेशा के लिए मिट जाएगी और हमारे देश के चारों तरफ केवल खुशहाली ही खुशहाली होगी।

थियेटर से बाहर आने के बाद जब पापा ने अपनी गाड़ी स्टार्ट किया तो पहले तो वह स्टार्ट हो गई लेकिन कुछ दूर चलकर ही वह रुक गई। बहुत कोशिश करने के बाद भी जब गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई तो पापा ने पास में खड़े तीन-चार अंकल से मदद करने का अग्रह किया। उनकी मदद से हमारी गाड़ी फिर से स्टार्ट हो गई। पापा ने उन्हें धन्यवाद कहा। शायद उन लोगों ने उस मूवी को नहीं देखा था इस लिए उन्होंने हमें आगे तीन लोगों की मदद करने को नहीं कहा। पापा ने मुझसे पूछा- 'इनकी मदद के बदले हमें क्या करना होगा?' मैंने कहा- 'पापा,



हमें भी तीन की मदद करनी होगी और उन तीनों से आगे अन्य तीन की मदद करने का अग्रह करना होगा। पापा उस दिन विशेष रूप से मुझे मूवी दिखाने ले गए थे इसलिए मैंने पापा से वादा किया कि बदले में, मैं तीन की मदद करूँगी और उन्हें अन्य तीन की मदद करने को करूँगी।

एक दिन जब एक भिखारी ने मेरे घर के बाहर भीख के लिए आवाज लगाई तो मेरी मम्मी ने मुझे पाँच रुपये देते हुए कहा- 'जाओ, जाकर भिखारी को भीख दे दो' मैंने अपनी मम्मी को कहा- 'भीख में दूँगी और इस प्रकार उनकी मदद करूँगी। मैंने अपने बचत के पैसे से कुछ पैसे निकालकर उस भिखारी को दे दिया और इस प्रकार तीन की जाने वाले मदद में से एक की मदद कर दी। अब आगे मुझे दो और की मदद करनी थी।

एक दिन, जब मम्मी-पापा दोनों घर में नहीं थे किसी ने बाहर का दरवाजा खटखटाया। मम्मी-पापा के स्पष्ट निर्देश के बाद भी मैंने लापरवाही से उस दिन अपने घर के बाहर का दरवाजा खोल दिया। बाहर 12 वर्ष का एक लड़का मेरे सामने खड़ा था। मैं डर गई थी मैंने डरते हुए उससे पूछा- 'क्या बात है...' उसने कहा 'मैं, एक गरीब विद्यार्थी हूँ। मुझे अपनी पढ़ाई को आगे

सुख हर औरत का अधिकार

औरत जीवन के हर पहलू को देती है सँवार,
फिर भी क्यों भंज दिया जाता है उन्हें
जिस ओर है अधिकार,
और क्यों दूर भागते लोग उनसे हर बार,
सुख, हर औरत का अधिकार।
औरत तो वह शक्ति है जो प्रकट हो दुर्गा के रूप में,
और उसकी भक्ति करे सारा संसार
फिर भी नीचा कर दिया जाता उन्हें बार-बार,
सुख हर औरत का अधिकार।
कौन समझाए इन लोगों को,
कि कर सके वह महिषाशुर का नाश,
कौन समझाए इन लोगों को,
कि भारत को आजाद कराने में इनका भी
था बहुत बड़ा हाथ,
कौन समझाए इन लोगों को,
कि इनकी भक्ति है अपार,
सुख, हर औरत का अधिकार।



क्यों भूल जाते हैं लोग कि वक्त आने पर,
एक निःसहाय औरत भी घरती है काली का रूप,
अगर औरत चाहे तो बदल सकती है
दुनिया की चाल-ढाल,
मर्द चाहते हैं तो पल भर में कर देते हैं,
औरत की नर्यादा को उछाल,
सुख, हर औरत का अधिकार।
औरत वह है जिससे इतिहास की हुई शुरुआत,
औरत वह है जिसे सारी दुनिया करे शत-शत प्रणाम,
पर क्यों अब वह जा रही हार,
सुख, हर औरत का अधिकार।
अब देर हो गई बहुत
चलना हमें बनाकर अपनी पहचान,
अनदेखा न करना है अब हम पर होते अत्याचार
खट कर चलना है हमें साथ-साथ,
सुख, हर औरत का अधिकार।

- सेजल विजय
दशम अ

सदा मुस्काती है माँ

बच्चे को रोता देख,
माँ दौड़ी चली आती है।
बच्चे की हर खुशी का ख्याल,
रख सदा मुस्काती है, माँ।
जख्म होता है भले ही बच्चे को,
दर्द का अनुभव करती है, माँ।
सारा कष्ट झेलकर हमें पालती,
दिल से प्यार लुटाती है, माँ।
सच ही सब लोग हैं कहते,
वरणों में माँ के सारी दुनिया के सुख हैं रहते।



- विधि चौधरी
सप्तम अ

धन से

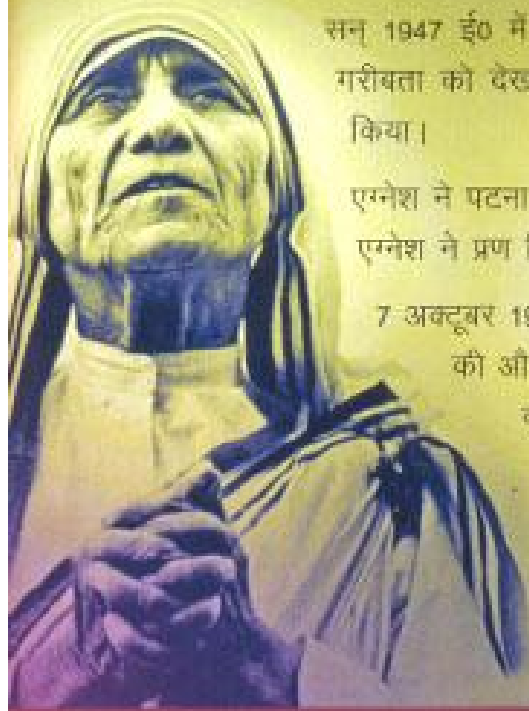
धन से पुस्तक मिलती है किन्तु ज्ञान नहीं।
धन से आभूषण मिलता है किन्तु रूप नहीं।
धन से सुख मिलता है किन्तु आनन्द नहीं।
धन से बिस्तर मिलता है किन्तु नींद नहीं।
धन से भोजन मिलता है किन्तु भूख नहीं।
धन से दवा मिलता है किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से एकान्त मिलता है किन्तु शांति नहीं।

- श्रुति चंद्रा
षष्ठम अ



मदर टेरेसा

मदर टेरेसा एक सेंट महिला थी। ये करुणा और ममता की साक्षात् मूर्ति थी। उनका जन्म 26 अगस्त, सन् 1910 ई० को युगोस्लाविया के स्कोप्जे नगर में हुआ था। उनके बचपन का नाम एग्नेस गौक्सा बोजक्वु था। इनके पिता का नाम निकोयल तथा माता का नाम झावाफिल था। मदर टेरेसा अपने तीन भाई बहनों में सबसे छोटी और सबसे लाडली थी। 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने मन लोगों की सेवा करने एवं नन बनने का निश्चय किया। सन् 1928 ई० में एग्नेस दार्जिलिंग के लॉरेटो कॉन्वेंट में अध्यापिका बनकर भारत आईं। और सन् 1929 ई० में उन्होंने कलकत्ता के सेंटमैरी स्कूल में अध्यापिका का कार्य शुरू किया।



सन् 1947 ई० में देश के बँटवारे के बाद बांग्लादेश से लाखों शरणार्थी भारत आए। उनकी गरीबता को देखकर एग्नेस का हृदय द्रवित हो उठा, और उनकी सेवा करने का निश्चय किया।

एग्नेस ने पटना में नर्स की ट्रेनिंग कर कलकत्ता में अपना कार्य शुरू कर दिया। इसके बाद एग्नेस ने प्रण किया कि "वे असहायों एवं अनाथों के लिए एक घर की व्यवस्था करेंगी।"

7 अक्टूबर 1950 को कैथोलिक चर्च द्वारा उनकी संस्था को मिशनरीज ऑफ चैरिटीज में की और उन्होंने शिशु सदन की स्थापना की जिसमें अनाथ अपंग तथा माँ पिताजी के द्वारा त्यागे गए अवाञ्छित बच्चों का पालन-पोषण होता है। रोगियों की पुनर्वास के लिए प्रेम घर और शांतिनगर की स्थापना भी उन्होंने की। सन् 1962 ई० में उन्हें पद्मश्री की उपाधि से विभूषित किया गया एवं 5 सितम्बर 1997 को उनकी मृत्यु हुई।

- महिमा जालान
षष्ठम अ

कोशिशों का सफर

कल मुद्दतों बाद कोशिशों के पाँव हिम्मतें लेकर मंजिल से मिलने चले...
मुरकिलों ने रोक के परेशानियों से मिलवाया और हिम्मतें कुछ पस्त होने लगी...
अगले मोड़ पर रुकावटों भरी थकान ने पकड़ के बिठा दिया...
हाँसलों की हवा ने कोशिशों को सहारा दिया और चल पड़ी वो थी इस सफर में...
धीरे-धीरे तेज होती यादों की ताल सुनके फिर जोश भी साथ हो लिया...
कदम अब दौड़ रहे थे और मंजिल करीब लग रही थी।
शाम ने आराम के लिए रुकसाया और पेड़ों की घनी छाओं से मिलवाया...
दर्द जाग गया और उठने से मना करके सोने की गुजारिश करने लगा...
अंधेरे के डरावने काले बादलों ने भी पलट जाने का हुकुम दिया...
सब्र की चाँदनी ने बेताब चाहतों को मरोसा दिया और उम्मीदों का वादा किया।
रोशनी की किरणों ने सोयी कोशिशों को झिञ्झोड़ा...
अब तो पाँव, फिर हिम्मतों, जोश और हाँसलों के साथ, मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं...



- आशानी बहलवा
आठम अ

भगवान से इंटरव्यू

हेलो मिस्टर भगवान।

हाऊ आर यू?

जरा इशर भी दीजिए ध्यान

हम इतनी देर से बैठे हैं,

श्वास खींचकर आँखें मीचकर,

किन्तु आप एकदम मौन हैं।

कम से कम यह तो पूछ लीजिए

हम कौन हैं?

आपसे भेंट करने का कोई समय नहीं,

नियम नहीं, कानून नहीं,

शिकायत भी करें तो आपके यहाँ टेलीफोन नहीं।

आज्ञा दें तो होली का गुलाल लगा दें, डियर

नाशाज न हों तो कुछ बातें भी कर लें, विलयर।

पूछना यह था -

कुर्सी से चिपकने वाले बड़े-बड़े महारशी,
मीजूद थे तो छिपकली का निर्माण क्यों किया दीनदयान?

दूसरी बात -

इतने सारे दलपदलूओं को भारतभूमि पर
अवतरित होना था तो,
गिरगिट बनाने में समय क्यों नष्ट किया नारायण?
बताइए कारण?

अरे! आप तो बोलते ही नहीं,

तो क्या मैं स्वयं से बोलें कर रहा था?

- सुरभि

अष्टम अ

यदि धरा पर वृक्ष न होंगे

यदि धरा पर वृक्ष न होंगे
जल न होगा, वायु न होगी,
घने कुंज की छाया में तब
खग-कुल की चहुंवाट न होगी ॥

टकली सी होगी वसुंधरा,
हरिण-मृग से रिक्त कन्दरा,
शीतल स्वच्छ बयार न होगी,
शीतल स्वच्छ बयार न होगी ॥

खाने को भोजन न होगा,
और धारण को वस्त्र न होगा,
झाल न होगी, पात न होगा,
गखगल सी बुगयाल न होगी ॥

जीवन दायनी नदियों में
निर्मल जल संचार न होगा,
फल न होंगे, फूल न होगा,
मंदिर में शृंगार न होगा ॥

शेर, हाथी, बाज न होगा,
ऋतुएँ और ऋतुराज न होगा,
नेताओं के गले में शोभित
न पुष्पों का हार ही होगा ॥

आशा रहित इस दुनिया में
जीवन का संचार न होगा,
हे मानव! तू कहीं बवेगा
यदि धरा पर वृक्ष न होगा ॥

मोहनी रत्ना अम्बस्ता
नवम् अ

पर्यावरण बचाओ

धरती हवा जल सभी, उगल रहे हैं जहर,
जीवन बचाने को दुखी, आज है गाँव-शहर।
कृषी को काटकर कर दिया, मानव ने धरती नंगी,
हरियाली दिखती नहीं, रही न अब वही चंगी।
हवा में दम घुटने लगा, रही न पुरानी बात,
प्रकृति आज नहीं दे रही, हम लोगों का साथ।
उसका कुछ नहीं दोष है, मानव का है दोष,
समय है बहुत गुजरा, लौटाओ अपनी सोच।
जल, जंगल और जीव से, करो नहीं खिलवाड़,
मानव के कुकृत्य से, आती सुनामी बाढ़।
तन-मन के बढ़ते जा रहे, आज अनेक है रोग,
विगड रहे स्वकर्म से, मानव के हे जोग।
पॉलीथीन का त्याग करो, करो न जल को अपवित्र,
कृषी की रक्षा करो, समझो उनको मित्र।



पौधों का रोपण करो, पालों समझ संतान।
मिलते इससे लाभ है, बढ़ता जग में मान है,
जीव-जन्तु और कीट सभी होते प्रकृति के प्रहरी,
इनके प्रति दया रखें, ग्रामीण हो चाहे शहरी।
प्रदूषण यदि मिट गया, बनेगा सफल जीवन,
आओ मिलकर के सभी, फैलाये धरती में वन।
कूड़ा-कचड़ा भूल से, कभी न फेंके जल में,
रासायनिक उपयोग से, दुःखमय होय न कल।
शोर-शराबे पर सदा, लगे सर्वत्र प्रतिबंध।
इन बातों के उपयोग से, फैलेगी सुख की सुगंध।
विश्व तडपता देखकर, मन में उठती हूक,
प्रदूषण को नष्ट करो, मानव क्यों बैठे मूक।

- मोहनी रत्ना अम्बरछा

नवम् 16

अपना - अपना नजरिया

एक बार एक संत अपने शिष्यों के साथ नदी में स्नान कर रहे थे। तभी एक व्यक्ति वहाँ से गुजर रहा था। जैसे ही उसने उस संत को देखा तो वहाँ रुक गया और उस संत के नदी से निकलने का इंतजार करने लगा।

जब वह संत पानी से बाहर आए तो उस व्यक्ति ने संत से पूछा 'महाराज मैं इस शहर में नया हूँ। क्या आप मुझे यहाँ और यहाँ के लोगों के बारे में बता सकते हैं?' तभी संत ने उस व्यक्ति से पूछा कि 'जिस शहर से तुम आए हो वहाँ के लोग कैसे थे?' इस सवाल पर उस व्यक्ति ने उत्तर दिया कि 'वहाँ बड़े खराब और निर्दय व्यक्ति



थे, तभी तो मैं यह शहर छोड़ आया। इस पर संत ने बोला कि 'यहाँ भी तुम्हें ऐसे ही व्यक्ति मिलेंगे।' यह सुनकर क्रोध में आकर वह आदमी आगे बढ़ गया। थोड़ी देर बाद एक और व्यक्ति वहाँ से गुजरा और

उसने भी वही प्रश्न पूछा जो पहले वाले आदमी ने पूछा था। इस पर संत ने उस व्यक्ति से प्रश्न करते हुए पूछा कि 'बताओ जिस शहर से तुम आए हो वहाँ किस प्रकार के लोग रहते थे?' उस व्यक्ति ने हँसते हुए कहा 'वहाँ बड़े ही विनम्र स्वभाव के लोग रहते थे। मेरा मन तो नहीं था यहाँ से यहाँ आने का पर क्या करें काम ही ऐसा है।' इस पर संत ने बोला 'यहाँ भी तुम्हें विनम्र स्वभाव के लोग मिलेंगे।' उस व्यक्ति ने संत को प्रणाम किया और वहाँ से चला गया। संत के शिष्य यह सब कुछ दूर से देख रहे थे, तभी एक शिष्य ने आकर पूछा, 'गुरुजी आपने दोनों महाशयों को एक ही प्रश्न के अलग-अलग उत्तर क्यों दिए?' संत ने मुस्कुराते हुए कहा 'आमतौर पर हम अपने आस-पास की चीजों को ऐसे देखते हैं जैसे वह होते ही नहीं हैं। अगर हम अच्छाई देखना चाहें तो हमें अच्छे लोग मिल जाएंगे। और यदि बुराई देखना चाहें तो बुरे लोग मिलेंगे। 'सब देखने का नजरिया है।'

- स्वर्णिमा सिंह

अक्टू 16

जोक्स

✦ जेलर : तुम्हें कल सुबह पाँच बजे फासी हो जाएगी

कैदी : हा - हा - हा

जेलर : हैंसते क्यों हो?

कैदी : मैं तो उठता ही सुबह नौ बजे हूँ

✦ एक मछर एक व्यक्ति को परेशान कर रहा था। वह आदमी तंग आ कर पलंग के नीचे सो गया। तभी वहाँ जुगनू आ गया। देख आदमी कहा- तू मुझे टोंच लेकर दूँ रहा है।

✦ ग्राहक (दुकानदार से) : ये समोसे कुछ ठीक नहीं लग रहे हैं, क्या बात है? परसों वाले तो बहुत अच्छे थे।

दुकानदार : अजी साहब, ये वही तो है।

✦ बंदी (दूधवाले से) : तुम्हारी गाय रोज कितना दूध देती है?

दूधवाला : आधा लीटर देती है बबुआ।

बंदी : तब तुम मुझे एक लीटर दूध कैसे देते हो?

दूधवाला : सब गंगा मैया की कृपा है।

✦ कुछ वैज्ञानिकों ने चोर पकड़नेवाली मशीन बनाई। इसके जरिये अमेरिका में बीस चोर पकड़े गये। रूस में चालीस चोर पकड़े गये। भारत में दस मिनट में मशीन ही गायब हो गयी।

✦ सोनू : मोती, तुम्हें यह सोच कर आश्चर्य नहीं होता कि अंडे में से बच्चे कैसे निकलते हैं।

मोती : होता है, पर उससे ज्यादा यह सोच कर आश्चर्य होता है कि वे बच्चे उसके अंदर जाते कैसे हैं।

✦ महिला : सेठ जी, लाल मिर्च देना।

सेठ (पास खड़े नौकर से) : हरी मिर्च देना।

महिला : सेठ जी मुझे लाल मिर्च चाहिए!



सेठ : हरी मिर्च देना जल्दी!

महिला : (गुस्से से लाल होकर) सेठ तुम पागल हो क्या? मैंने लाल मिर्च मांगी है

सेठ : बहन जी, ज्यादा गुस्सा मत करो ठंड रखो ठंड! लाल मिर्च ही देंगे हरी तो इस नौकर का नाम है।

✦ सोनू : तुम्हारी दुकान में इतनी मिठाई रखी रहती है, कभी खाने का मन नहीं करता मन तो बहुत करता है पर पापा मारेंगे, इसलिए चाट कर रख देता हूँ।

✦ संजय : इंगलिश में शोपटी को क्या कहते हैं?

मानव : हट

संजय : नहीं पता तो साफ-साफ बोल देते, ये हट-हट क्या कर रहे हो

- मोहनी रत्ना अम्बरठा

नवम्बर



आप यह क्या कर गए कलाम साहब...

आप यह क्या सिखा कर चले गए। आपने जीवन में सिर्फ दो छुट्टियाँ ली। आप तो भारत के राष्ट्रपति थे। आसानी से आराम कर सकते थे। फिर यह क्यों काम की रट लगाए रखे।

सबसे पहली बात आप नेता ही क्यों बने। क्या कोई नेता पढ़ा-लिखा होता? आप राष्ट्रपति बने तो आपने यह नियम क्यों नहीं बना दिया कि कोई अंगूठा-छाप नेता नहीं बन सकता। जिस दिन नेता सांसद में लड़ेंगे उनका वेतन कटेगा और देर से आने वाले दूसरों का वेतन काटा जाएगा। मुझे आपसे नाराजगी इस बात से भी है कि आपने देश को मिस्टाइल क्यों दिया? ना हमारे पास आधुनिक हथियार होते और न ही पड़ोसी देश जलते।

आप एक बैग लेकर राष्ट्रपति भवन पहुँचे थे और कार्यकाल खत्म होने पर एक ही बैग लेकर निकल गए। जबकि आपके बाद वाले ट्रकों में सामान भरकर निकल गए। एमवे वेली में तो चपरासी के घर से करोड़ों रुपये, और आप सिर्फ एक बैग लेकर निकलें। यह क्या सिखा गए आने वाली पीढ़ी को। सादगी और शालीनता से किसका पेट भरा है लोगों को तो आपके जैसा सम्मान नहीं सिर्फ पैसा चाहिए।

एक और बात जो आपकी मुझे बहुत खलती है कि आपने कभी राष्ट्रपति जैसा रौब नहीं जमाया। यहाँ पार्षद बनते ही नेता मद-मस्त हाथी की तरह चलते हैं कि उसे आस-पास वाले दिखाई ही नहीं देते हैं, लेकिन आपके लिए, कोई ऊँची कुर्सी ही लगा दे लो आप नाराज हो जाते थे। छोटे-बड़े का भेद तो आपको समझना चाहिए था।

अब बात करते हैं आपकी कमाई की। जितना मुझे पता है देश के राष्ट्रपति को लाख रुपये से ज्यादा का वेतन हर महीने मिलता है। और सुविधाएँ अलग से।

सरकार वैसे देती है खुद पर खर्च करने के लिए, ऐशो-आराम, मौज-मस्ती के लिए लेकिन आप सारी तनख्वाह दान कर देते। यहाँ तक कि जब आपके परिवार वाले दिल्ली घूमने आए थे तो उनपर हुए खर्च भी आपने अपनी तनख्वाह से दिया। एक बार हुक्म तो देते, सब कुछ मुफ्त में हो जाता।

आज के युवा वैसे भी पॉलिटिक्स में आना नहीं चाहते और अगर आप जैसे दो-तीन राष्ट्रपति और आ गए तो नीजवानों का नेतागिरी से विश्वास ही उठ जाएगा।

मैंने यह भी सुना है कि आप सफलता का सारा श्रेय अपनी टीम या जूनियर्स को देते थे। अच्छा हुआ आप निजी कम्पनी में काम नहीं किए नहीं तो जल्दी निकाल दिए जाते और सब आप पर हँसते जैसे आपने कोई बड़ा गुनाह कर दिया हो।

शिकायतों की लिस्ट बहुत लम्बी है कलाम साहब। हमें पता है आप लौट कर आओगे, लेकिन अगली बार PLEASE मेरी शिकायतों की लिस्ट याद रखना। या तो हमें अच्छा ही नहीं सिखाना और अगर सिखाओ तो भारत के भाग्य विधाता आप ही बनना। आप हमेशा जीओगे हमारे दिल में कलाम साहब।

- आन्या रनेजा
नवम्बर

जिंदगी का रंगमंच

- ✦ लौट आता हूँ वापस घर की तरफ... हर रोज थका-हारा,
आज तक समझ नहीं आया कि जीने के लिए काम करता हूँ या काम करने के लिए जीता हूँ।
- ✦ बचपन में सबसे अधिक बार पूछा गया सवाल— "बड़ा होकर क्या बनना है?"
जवाब अब मिला है— "फिर से बच्चा बनना है।"
- ✦ थक गया हूँ तेरी नौकरी से : ये जिन्दगी, मुनासिब होगा, मेरा हिसाब कर दे।
दोस्तों से बिछड़कर यह हकीकत खुली... बेशक बदमाश थे पर सैनिक उन्हीं में थी।
- ✦ भारी जेब ने दुनिया की पहचान करवाई और खाली जेब ने अपनों की
जब लगे पैसा कमाने, तो समझ आया— "शौक तो माँ-बाप के पैसों से पूरे होते हैं अपने पैसे से तो सिर्फ
जरूरतें पूरी होती हैं।"
- ✦ हँसने की इच्छा न हो तो भी हँसना पड़ता है।
कोई जब पूछे— "कैसे हो?"
तो "मजे में हूँ"— यह कहना पड़ता है।
- ✦ ये जिंदगी का रंगमंच है दोस्तों...
यहाँ हर एक को नाटक करना पड़ता है।
माधिस की जरूरत यहाँ नहीं पड़ती
यहाँ आदमी-आदमी से जलता है।
- ✦ दुनिया के बड़े वैज्ञानिक ये दूँड रहे हैं कि "मंगल ग्रह पर
जीवन है या नहीं" पर आदमी ये नहीं दूँड रहा कि "जीवन
में मंगल है या नहीं"।
- ✦ कितने दूर निकल आए रिश्तों को निभाते-निभाते... खूद को
खो दिया हमने अपनों को पाते-पाते। लोग कहते हैं— "हम
मुस्कुराते बहुत हैं" और हम थक गए दर्द छुपाते-छुपाते।
- ✦ एक सवेरा था... जब हँसकर उठते थे हम। और आज कई
बार बिना मुस्कुराए ही शाम हो जाती है।
- ✦ मन्दिर पर फूल चढ़ा कर आए तो ये एहसास हुआ कि
पत्थरों को भगवान मानने में फूलों का कल्ल कर आए हम।
गए थे गुनाहों की माँफी माँगने, वहाँ एक और गुनाह कर
आए हम!!

- सिमरन झा
नवम्बर

हम जब मिलकर कदम बढ़ाते

हम जब मिलकर कदम बढ़ाते
बीहड़ वन में राह बनाते।
कहीं कुआँ है, कहीं है खाई,
देती नहीं जब राह दिखाई,
मुसीबतों को गले लगाते,
हम जब मिलकर कदम बढ़ाते।।

पथ में खड़ी हुई बाधाएँ
राह रोक लें, आँख दिखाएँ
उनको ठोकरे मार गिराते,
हम जब मिलकर कदम बढ़ाते।

आँधी और तूफान सामने,
लगे हमारे कदम थामने,
कभी न रुकते, बढ़ते जाते,
हम जब मिलकर कदम बढ़ाते।

- सिमरन झा
कवय-क

मेरा सपना

मैंने देखा है एक सपना,
सुखी सम्पन्न देश हो अपना।
न हो कोई भूखा नंगा,
बहे देश में सुख की गंगा।
हर बच्चा स्कूल को जाए,
स्वाभिमान की शिक्षा पाए।
आओ एक-एक दीप जलाएँ,
शिक्षा का उजियारा फैलाएँ।
बिटिया-रानी पढ़ती जाए,
जग में आगे बढ़ती जाए।
बेटी एक पढ़ाओगे तुम,
दो परिवार बसाओगे तुम।
कोई बेटी को न मारे
अपना हर सुख उन पर वारें।
मैंने देखा है एक सपना,
सुखी सम्पन्न देश हो अपना।



- स्वास्ति रंजन
कवय-अ

माइंड टीजर्स

1. काली है पर काग नहीं
लबी है पर नाग नहीं
बलखाती है पर डोर नहीं
बौधते हैं पर रस्ती नहीं।

2. बूझो दीदी एक पहेली
जब भी काटो मुझको
मैं दिखती नई-नवेली
मुझसे बनता बच्चों का भविष्य।

3. पेट कटे मीठा फल खाओ
शीश कटे रघुवर गुण गाओ
पैर कटे तो काट गिराऊ,
बच्चों मेरा नाम बताओ।



4. काली-काली मौं
लाल-लाल बच्चे
जिधर जाये मौं
उधर जाये बच्चे।

कविता 2 पृष्ठ 3 और 4 में

- निमिशा उपाध्याय
कवय-ब

प्यारे पापा

पापा आप हो सबसे प्यारे
आपका झोंटना फिर मेरा रोना,
आपका मनाना मुझे अच्छा लगता है।
मम्मी की झोंट से मुझे बचाते,
कोई साथ न हो मेरे पर आप होते हो,
हर पल मेरी रक्षा करते हो।
आप हो दोस्तों से भी प्यारे,
कभी न टूटे हमारी दोस्ती,
ऐसे ही बीते हमारी जिन्दगानी,
मेरी मस्ती आपको सताये।
करती हूँ वादा पापा आपको,
न करूँगी मैं कोई नादानि,
आप हो सबसे प्यारे पापा।
मेरे सबसे प्यारे पापा।

- श्रुति चंद्रा
वयस ७



दहेज प्रथा

दहेज प्रथा एक ऐसी प्रथा है,
जिससे पाप बनता है,
पैसे पर विकता प्यार जहाँ
यह समाज का कैसा रिश्ता है?
पर बन जाता बैज जहाँ,
मोल-भाव खूब होता है।
बेटे का बाप बनता सौदागर
बेटे का सौदा करता है।
दहेज समाज का कोड़ है
जब तक यह रह पाएगा
नर-नारी का जीवन कभी-भी स्वस्थ नहीं हो पाएगा,
दे रहा चुनीती आज तुम्हें लेना-देना अब बंद करो,
दिल-से-दिल मिल जाए जहाँ,
प्रेम को ऐसे बुलंद करो।
दहेज प्रथा का अंत करो।

- कशिरा पोद्दार
वयस १०

चली मैं चली खुली वादियों की तरफ

चली मैं चली खुली वादियों की तरफ
देखा न कुछ, सुना न कुछ, बस बड़ी चली
फूलों संग झूमी, पेड़ों संग नाची,
देखा न कुछ, सुना न कुछ, बस बड़ी चली।
नदी संग बातें की, पर्वत संग खेली,
सुख शांति का गीत रचा कर बोल उठी।
अनुमान था न मुझे किधर हूँ मैं आज खड़ी
सुख की गीत आँखों में भरकर देखूँ पेड़ों, फूलों, पर्वतों
और नदियों को कभी
देखा न कुछ, सुना न कुछ, बस बड़ी चली।
आँख मिचोली का खेल भाया न मुझको
ओझल हो गई सारी प्यारी यादें एक झटके में
बदला मैंने कर्वट, टूट गई नींद मेरी

एक ही क्षण में टूटा सपना
सपनों के घाव बाकी हैं
जाऊँगी मैं एक दिन खुली वादियों की तरफ
फूलों संग झुमूँगी, पेड़ों संग नाचूँगी
देखूँगी न कुछ, सुनूँगी न कुछ बस बड़ी चलूँगी,
खुली वादियों की तरफ, चली मैं चली।

- जैनाब जिया
वयस १०



मेरी क्या गलती थी?

किसी सतरंगी आसमाँ सा मेरा चित खिल सा गया,
जब पता चला कि मेरा अस्तित्व मिल सा गया।
प्रसन्नता की वो लहर मुझे छू सी गयी,
मानो मेरे कोमल मन को रोशनी मिल सी गयी।
आज मेरे लिए दिन उमंग लेकर आया,
आप पापा बनने वाले हो मीं ने पापा को बताया।
मैं देख तो न सकी पर महसूस कर सकती थी,
पापा के उमंग की हर पवित्र पढ़ सकती थी।
मेरे कानों में कुछ अल्फ़ाज पड़ रहे थे,
पापा मीं को डॉक्टर के पास ले जाने की बात कर रहे थे।
पापा करना चाहते थे आज मेरा प्रथम दर्शन,
ये सुन कर पुनः खिल उठा मेरा तन-मन।
मीं को एक मशीन के निकट ले जाया गया,
मुझ पर पड़ा चमकदार रोशनी का घना साया।
मुझे डर लगा मेरा कोमल चित घबराया,
मीं! दो चमकदार रोशनी का साया मुझे नहीं भाया।

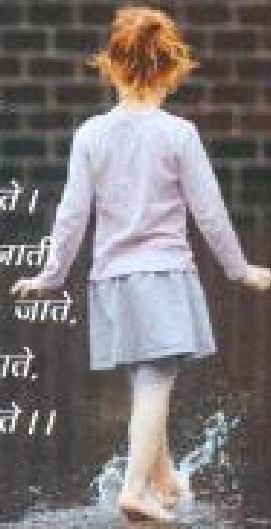
मैंने कुछ सुना डॉक्टर ने पापा को कुछ बताया,
एक नन्हीं सी कली खिलेगी, उन्होंने ये समझाया।
पर मीं! मुझे अब पापा की वो उमंग क्यों न दिखी,
बोलो ना मीं! क्या भगवान ने यही मेरी किस्मत लिखी?
फिर उस दिन ऐसा क्या हुआ मीं! जो पापा ने तुम्हें मारा,
मैंने सुना मीं! उन्हें एक बेटा चाहिए था प्यारा।
आज फिर एक अजीब हलचल ने मुझे घेर लिया,
ऐसा लगा सारे जग ने मुझसे मुँह फेर लिया।
मेरे अविकसित शरीर पर खंजर चला दिया,
मेरे अधूरे जीवन पर पूर्ण विराम लगा दिया।
मीं रोती रही, बिलखती रही, चीखती-चित्लाती,
पर किसी को उनकी चीखें न दी सुनाई।
आज भी न पता चला कि मेरी क्या गलती थी,
क्या बस यही कि मैं लड़का नहीं, लड़की थी?

- एलिजाबेथ थॉमस
दशम् ब



बादल

काले बादल आते जब,
गौर नाचते छम-छम तब,
नदी नाले सब गर जाते,
बोलो कितना पानी बरसाते।
कमी-कमी तो बाद आ जाती,
गाँव, शहर सब तबाह हो जाते,
मानो बादल गुस्सा हो जाते,
बोलो कितना पानी बरसाते।।
बादल है जब भी आते,
धूप को ढंका कर जाते,
ऐसे सबको खुश कर जाते,
बोलो कितना पानी बरसाते।।



- रोही वी० रूमोल्ड
षष्ठम् अ

तितली की उड़ान

निकली हूँ मैं फिरने आज,
उड़ रही ऊँचे आकाश में।
न शर्म है, न लाज,

मीं को बोला घुमना है पूरा शहर पूरा गाँव,
जाना उस ऊँचाई तक जहाँ उड़ते हवाई जहाज।
उड़ते-उड़ते पता न चला कहीं आ पहुँची मैं इस बार,
देखा चारों ओर कोई न था आर- पार।
अचानक दिखे दो व्यक्ति आते मेरे करीब,
सोचा मैंने पहुँच जाऊँगी घर इस बार,
पर कर लिया उन्होंने मेरा ही शिकार।

- सेजल विजय



Pad Sankha



बगल से गुजरते हुए सेन्ट स्टीफन गेट, बेसिंग गॉल जिसे क्रंदन दीवार कहा जाता है देखने को मिला। यहाँ यहूदी रोते बिलखते एवं अपने धर्मशास्त्र तोरहा का निरन्तर अध्ययन व प्रार्थना करते हैं। हमने भी उस दीवार का स्पर्श किया। गाइड ने बतलाया प्राचीन मंदिर को विध्वंस करने तथा निर्दोष प्रभु यीशु मसीह को क्रूसधातित करने के कारण वे पश्चात्ताप करते हैं। दीवारों की दरार में कागज पर लिखित रूप डाल कर पुरानी पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ियों की गलतियों के लिए हमा याचना करते हैं।

इसके बाद जाफा गेट, पातेर नोस्तेर चर्च, प्रभु की प्रार्थना स्थल, मिल्क रोडो के दर्शन किए। सियोन पर्वत, इसहाक का बलिदान स्थल, राजा दाऊद की कब्र, संत पतरस चर्च, संत पतरस का इन्कार स्थल देख सभी आवाक रह गए। एक सुखद अनुभूति लिए संत अन्ना चर्च, बेथेसदा कुण्ड, नेलसेमानी बारी में स्थित चर्च, जेतून के पेड़, अंतिम ब्यारी स्थल, पिलातुस का स्थान, क्रूसरास्ता हॉली सेपलकर चर्च होते हुए अन्ततः येशु की कब्र के पास पहुँचे। बाहरी गुफा पार कर अन्दर की गुफा में प्रवेश कर खाली कब्र के दर्शन किए। यह अद्भूत एहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। लग रहा था बाइबिल का हर पन्ना हमारे सामने खुलता चला जा रहा है। कलबारी के समीप, बिल्कुल कब्र के पास तीसरी बार मिरसा सम्पन्न हुआ। हमने स्वर्गरोहण चर्च भी देखा। सभी तीर्थ यात्री उन पवित्र स्थलों का स्पर्श कर उनको चूम कर असीम आनन्द का अनुभव कर रहे थे। उसी दिन हम ईश-भजन में लीन होकर बेतलेहम पहुँचे। यहाँ ईसा के जन्म स्थल, पवित्र घरनी, पवित्र वेदी के दर्शन किए। गडेरियों की चरागाह में स्थित वेदी पर चौथी बार मिरसा बलिदान चढ़ाया गया। हॉलीलेण्ड की यात्रा में माउण्ट ऑफ टेम्पटेशन, सेन्ट जोसेफ चर्च आदि जगहों का भ्रमण किया।

तब मिस्र की ओर प्रस्थान करने का समय आया। रास्ते में गुलर का पेड़, लाल सागर, स्वेज नहर, एलिम पत्थर के दो कुएँ देखने के पश्चात् नील नदी में नौका विहार, गीजा का पिरामिड, स्फिक्स, पेपाइरस कारखाना, परपयूम गैलरी देखने को मिला। नव्य एवं सुन्दर सुसज्जित संत कैथरीन मठ, जलती झाड़ी, पिथों का कुआँ देख आश्चर्यचकित रह गए। दूर से ही सिनाई पर्वत देख पाए।

इगारी वापसी का समय आ गया था। हम काहिरा एयरपोर्ट पहुँचे। अद्भूत अनुभूति और एहसास लेकर पुनः शारजाह, दिल्ली होते हुए सकुराल रीची वापस पहुँच गए।

- सुश्री मेरी निर्मला मुखर्जी
हिन्दी शिक्षिका





अब हम मृत सागर की ओर चले। वहाँ सबने स्नान करने का आनन्द लिया। इसके खारे पानी में लोग डूबते नहीं उपलते रहते हैं। खनिज की प्रचुर मात्रा के कारण पर्यटक इसकी काली मिट्टी का लेप लगाते जिससे कहा जाता है चर्म रोग ठीक हो जाते हैं।

अगले दिन जॉर्डन शहर छोड़, इस्त्राएल बार्डर पहुँचे यहाँ इस्त्राएली गाइड मो० काशिम के नेतृत्व में ताबोर पर्वत पहुँचे। ईसा के रूपान्तरण का भव्य चर्च। मन भक्ति से सराबोर हो उठा। रास्ते में नाइन नगर, तिबेरियुस झील पार किये। हम नाजरेथ पहुँच चुके थे।

पैदल चलते हुए माता मरियम के निवास स्थान पहुँचे, जहाँ स्वर्गदूत गार्त्रिएल ने येशु के जन्म का संदेश सुनाया था। माता के आदर में शिर झुक गया, मन भाव-विह्वल हो उठा। आगे बढ़ने पर मदर मेरी का कुर्आ दिखाई पड़ा। कुछ दूरी पर स्थित पर्वत-प्रवचन स्थल मिला। अष्टकोण में बने इसके प्रत्येक दीवार पर धन्य वचन अंकित थे।

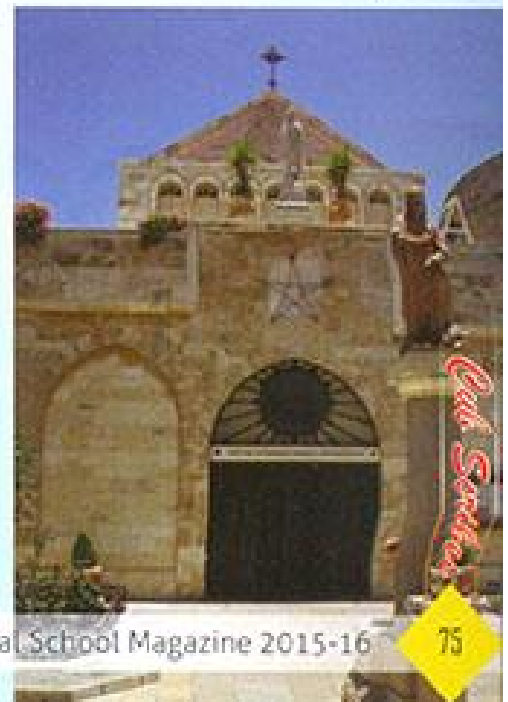
अगले दिन प्रातः काना नगर पहुँचे जहाँ येशु ने मटकों में भरे जल को दाखरस बनाकर पहला घनत्कार किया था। वहाँ के WEDDING CHURCH में भक्तिभाव से मिरसा सम्पन्न हुआ।



चर्च के निचले हिस्से में छः मटकों में से सुरक्षित बचे सिर्फ एक मटके का दर्शन हुआ। अब हम गलीलिया पहुँचे। SERMON ON THE MOUNT CHURCH के बाहर प्राचीन काल में निर्मित पत्थर की चक्की और मटकानुमा पत्थर दिखाई पड़ा। चर्च के भीतर वेदी के नीचे वह पत्थर है जहाँ ईसा ने मछलियों भूनकर अपने चेलों को खिलाया था। फिर गलीली झील में नौका बिहार एक यादगार पल बना। अब हम तबघा पहुँचे जहाँ येशु ने पाँच रोटी और दो मछलियों का घनत्कार दिखलाया था। इसके बाद हम संत पेनुस चर्च पहुँचे। वहाँ झील के किनारे कांसे की बनी संत पतारस की विशाल मूर्ति स्थापित है। इसके बाद हम कफारनहुम

गए। यहाँ पेनुस के घर गए जो भग्नावशेष अवस्था में अब भी सुरक्षित रखा गया है। येरिको शहर से गुजरते लाजरुस और मरिया मगदलेना का गाँव दिखाई पड़ा। रास्ते में हम यर्डन नदी पहुँचे। यर्डन नदी पर प्रभु यीशु मसीह ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से बपतिस्मा लिया था। तभी यह आकाशवाणी हुई "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ" मैथ्यू 3.3:17। श्वेत वस्त्र पहने हम सबने यर्डन नदी में बपतिस्मा का करार दुहराते हुए स्नान किया प्रभु का गुणगान करते हुए हम रात्रि को बेतलेहेम के एंजेल होटल पहुँचे। हमारे आनन्द की सीमा नहीं थी।

अगले दिन हमने येरूसलेम की ओर प्रस्थान किया। पवित्र स्थलों को देखने की उत्सुकता चरम सीमा पर थी। दूर से ही डोम ऑफ द रॉक मस्जिद दिखाई पड़ा।



जॉर्डन, इस्त्राएल, फिलिस्तीन और मिश्र की यात्रा



FAITH FORMATION TEAM के निदेशक फादर विनय गुडिया सीडीएफ द्वारा आयोजित दस दिवसीय यात्रा एक अक्टूबर 2014 को आरंभ हुई और 11 अक्टूबर 2014 को समाप्त हुई। इस यात्रा में हमलोगों ने जॉर्डन, इस्त्राएल, फिलिस्तीन और मिश्र देशों का भ्रमण किया। इसमें हम 71 सदस्य थे जिसमें चार पुरोहित एवं एक सिस्टर भी थी। श्री रायन डाल्टन ने यात्रा को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दिया।

हम सब हवाई जहाज से रॉची से दिल्ली, शारजाह होते हुए 2 अक्टूबर को ओमान के क्वीन आलिया हवाई अड्डा पहुँचे। विदेश की धरती पर पाँव रखते ही मन रोमांचित हो उठा। सारी थकान छूमंतर हो गयी। ओमान के गाइड श्री अदनान ने 'अहलाम-ओ-सहलाम' कह कर हमारा स्वागत किया। उन्होंने बताया यह जॉर्डन की तहजीब, रिवाज और संस्कृति का परिचायक है। अर्थात् हम सभी अब एक ही परिवार के सदस्य बन गए हैं।



दो शानदार बसों में सवार हम सभी एक रेस्तरां में दोपहर का भोजन करने के लिए रुके। वहाँ एक स्थानीय डिश 'शोरमा' काफी मशहूर है। वहाँ से रात्रि विश्राम के लिए होटल SANDY LE ORIENTAL पहुँचे। शानदार होटल। आधी रात तक महिलाएँ बकरीद त्योहार के लिए खरीदारी में व्यस्त दिखीं। वहाँ की महिलाएँ बुरका का उपयोग पूरी शिद्दत के साथ करती हैं।

सुबह नाश्ते की अच्छी व्यवस्था थी। देशी पकवानों के साथ सलाद की बहुरंगी किस्में, चाय, कॉफी, जूस, ब्रेड, अण्डे केक मिठाइयाँ सभी सुलभ थे।

दूसरे दिन प्रातः नेबो पर्वत गए। मूसा नबी की स्मृति में बने विशाल गिरजाघर की बगल स्थित छोटे प्रार्थनालय में होलीलेण्ड का पहला खीस्तयाग सम्पन्न हुआ। पहाड़ के निचले हिस्से में पानी का झरना दिखाई पड़ा। यह वही झरना है जो मूसा नबी के द्वारा वज्रान को डण्डे से प्रहार करने पर फूट निकला था। नेबो पर्वत पर पीतल का साँप एक खम्भे पर लटकता दिखाई पड़ा। लौटने के क्रम में मोजाइक कारखाना एवं विशाल सेन्ट जार्ज चर्च के दर्शन किए। वहाँ मोजाइक आर्ट से बना नक्शा देखने को मिला।

दूसरे दिन ओमान शहर के न्यूजियम, प्राचीन स्मारकों के अवशेष, रोमी थिएटर, पुराने एवं नए ओमान शहर का परिभ्रमण किया। जॉर्डन के पथरीले एवं रेगिस्तानी भूमि पर हरियाली का अभाव देखा गया। गाइड ने बतलाया यहाँ पानी की भारी कमी है। समुद्र से पाइपों द्वारा पानी लाकर उसे जलछाजन द्वारा शुद्ध किया जाता है तब लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है मात्र डेढ़ ग्लास पीने के पानी का दाम एक डॉलर यानी 62.58 रु। जैतून के बाग के पेड़ दिखाई पड़े। कुछ हरी सब्जियाँ डीप एरिगेशन के कारण दिखाई पड़ी।

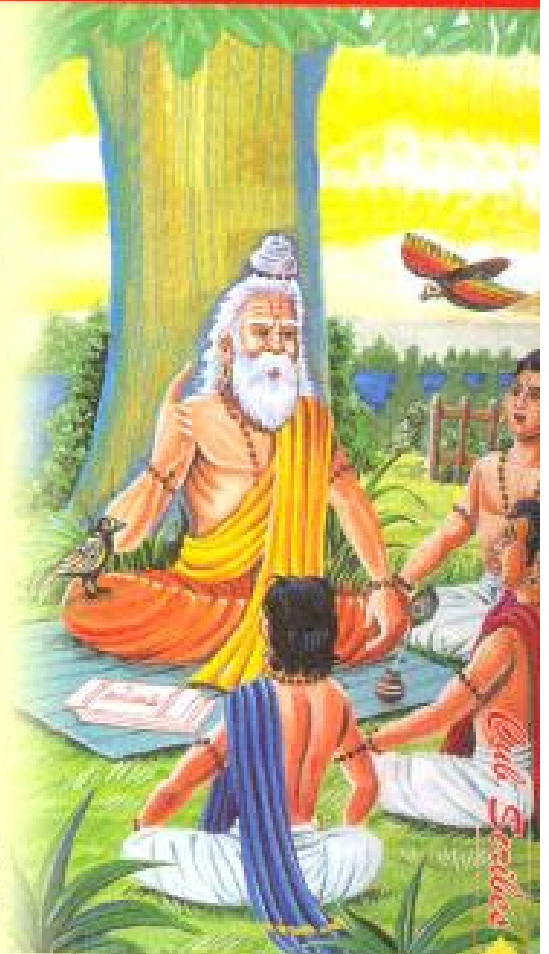


हिन्दी खण्ड

गुरु की गरिमा

गुरु ज्ञान की ज्योति, अधिकारमय जीवन में लाती है भोर।
 जीवन जटिलताओं का सागर, पार उतारे ज्ञान भरा गागर ॥
 ज्ञान है अनमोल रत्न, जिसका मोल बताते हैं गुरुजन।
 मंदिर हो शिवालय जैसा, जहाँ शिक्षा अमृत पान जैसा ॥
 जो श्रद्धा से करता इसे ग्रहण, अदृश्य हो जाए उसको जीवन के संपूर्ण ग्रहण।
 गुरु जिसने यह प्रसाद दिया, सृष्टि को आधार दिया ॥
 सृष्टि का ज्ञान दिया गुरु ने, उसको पहचान दिया गुरु ने।
 सृष्टि की सुन्दर रचना में, ज्ञान का प्राण दिया गुरु ने।
 सबको पहचान दिया तुमने, अपनी पहचान गुमा तुमने।
 तुम हो उस प्रकाश समान, जो रात्रि को करता प्रकाशवान ॥
 प्रसिद्धि होती है थंदा की, ज्योतिर्नय है अर्क अतुल्यवान।
 शिष्टाचार का ज्ञान दिया, आदर्श जीवन और स्वाभिमान दिया ॥
 बुद्धि दाता हैं ईश्वर, पर ज्ञान प्रदाता हैं शिक्षक।
 शिवालय रूपी मंदिर के, सर्वश्रेष्ठ पुजारी हैं शिक्षक ॥
 उन दिव्य पुजारी की चरणों में, मेरा शत-शत बार नमन।

- कुमारी राखी
शिक्षिका



My School

Everyone needs a school for good education, to learn good values. I also study in a school. The name of my school is Loreto Convent. It is situated in the middle of Doranda. It is a single gender school. There are approximately 2000 children studying in my school. The foundress of our school is Mary Ward. The colour of our school building is red and yellow. Our school is divided into three sections: Primary, Junior and Senior. Our Principal's name is Sister Anjuman Gidh. Our school has classes from pre-prep to twelve. Our school has two play grounds and one far field. The name of the games we play are : Kabaddi, Kho-Kho, Badminton, etc. In our school we have two computer labs where there are many



computers, where we can make presentations, etc. One is for the Juniors and one for the seniors. There are two libraries in our school, where we can study G.K. books and read story books. There are four houses in our school : Ashok, Gandhi, Shakspeare and Tagore. I too belong to one of the houses. The name of my house is Ashok. In our school there is a sewing center where didi's sew the clothes for us. In our school we have annual sports where we march, jog, run, etc. Every year our school organizes the annual concert. There the children of different classes do dramas on different topics. We have a band group where the senior didi's play the drums on different occasions like sports, while going to the class, etc. In each and every class we have a smart board where we can see movies, listen to songs, etc. That's all about my school. I am proud to be in Ranchi because I have got a chance to study in this school. I am proud to be a Loreto girl.

- Suhani Panda
VI B

Riddles in English

1. What goes up but never comes down?
Ans. Age.
2. What holds water yet is full of holes?
Ans. A sponge.
3. A Cowboy rides into a town on Friday, stays for 3 days and leaves on Friday. How?
Ans. The Horse's name was Friday.
4. How is the letter T like an island?
Ans. It is in the middle of the WATER.
5. What always runs but never walks, often murmurs but never talks, has a bed but never sleeps, has a mouth but never eats.
Ans. A river.
6. I never was, am always to be. No one ever saw me nor ever will. And yet I am the confidence of all, to live and breathe. Who Am I?
Ans. Future.

- Shreeparna
VIC



Excuses, Excuses!

Sir : Late again, Peter?
What's the excuse this time?
Peter : Not my fault, sir.
Sir : Whose fault is it then?
Peter : Grandma's sir.
Sir : Grandma's? What did she do?
Peter : She died sir.
Sir : Died?
Peter : She's seriously dead.
Sir : That makes four grandmothers this term Peter.
And on all PT days.
Peter : I know. Its very upsetting sir.
Sir : How many grandmothers have you got Peter.
Peter : None sir,
Sir : You said you had four.
Peter : All dead sir.
Sir : And what about yesterday? You were absent.
Peter : That was the dentist sir.
Sir : Now the dentist died.
Peter : No sir. My teeth sir.

Sir : You missed the Maths test Peter?
Peter : I'd been looking forward to it sir.
Sir : Right, line up for PT.
Peter : Can't sir.
Sir : Why?
Peter : No kit sir.
Sir : Where is it?
Peter : At home sir.
Sir : What is it doing at home?
Peter : Not ironed sir.
Sir : Couldn't you iron it?
Peter : Can't sir.
Sir : Why not?
Peter : Bad hand sir.
Sir : Who usually does it?
Peter : Grandma sir.
Sir : Why couldn't she do it?
Peter : Dead sir.

- Kashish Poddar
IX B

A Child's Dream

Once a man came into a child's dream
And the small frightened boy screamed
He saw that man being cut
Because he just asked for a hut
The child ran home
He dreamt that he was reading news papers
Some were shot
Others were looted

With a sad face he was sleeping
And suddenly he started weeping
The child wanted the fight to cease
He prayed to God for peace

When the child's mother saw him crying
She shook him.
The child awoke he thanked God
for making him realize to live in peace
And the child promised himself
to never let this dream come true.

- Vaishnavi Kumari
VII C

Child Scribbles

Memories

Walking through the streets, crossing the signals, I reached the school which gave me so much... Sitting on the chair holding crayons, Nothing in my mind just my heart full of colours. 'RED' I chose for the one who was – caring, loving, humble like My Mother.

Years passed by singing joyfully and playing merrily.

Its just like yesterday when I first stepped into the convent. Today I'm with you 'Loreto' but after a few years I will be alone . But, the moments spent here will be still alive.

And I will wish to live, my school life once more.

Warmth of the Summer sun,
The calm of a quiet sea,
The wisdom of ages,

These qualities are combined together by God to make his 'Masterpiece'.....

'Teachers'

My teacher gave me the inspiration to do my

best, by a simple saying...

"When things go wrong as they sometimes will,
When the road you are treading seems all uphill,
When the funds are low and the debts are high
don't Quit...

Don't Quit"

She gave her 'Vision ' to me,

To see the glass of water not half empty but half full.

I was a lump of clay

No shape, no size, no identity to recognize.

It's you my teachers and principal the only ones who moulded me like a potter's pot full of wisdom.

I will cherish this gift of God throughout my life.

Loreto has sowed the seeds of love and good virtues in my heart that will surely grow into a plant of success.

- Anu Anamika Soren

X C

Love is Crazy

I like her very much! Why? She was standing there quietly in the middle of the field.

Suddenly a man came running towards her and blew a whistle. Hearing this whistle a gang of boys attacked her from both the sides. She started running here and there on the field.

She was very horrified.

Then, she saw me as her only refuge and somehow she decided that I was not one of them. I stretched my hands, and she fell directly into my arms. I felt a great stroke and by the force I fell down to the ground. And thus saved what?

I saved the goal.

What!!! You can't

understand. Oh

'Yes' now its

Time to clear

your doubt.

Actually

we were

playing

Football. She was the 'ball' and I was the goal

keeper.



- Anupama Kujur

X A

My Mom and My Dad

Alone had I come to this place,
All I had was a small body and a cute face,
Whenever I cried in my shrill voice,
There they were with all my toys,
They tried to make me happy and glad,
There they were my mom and my dad.
And when I grew up a little tall
For them I was still their little doll,
While my dad went to his job,
Parting with him I sobbed.
When he came back from his duty,
He brought me barbies full of beauty.
He tried to make me happy and glad,
There he was, my super hero, my Dad.
And then began my school days,



When my mother tried to wake me up in all possible ways,
She gave me food and got me dressed
But all I did was make a mess
After the school when we returned by bus,
All parents were waiting there for us,
And then my mother took me home,
She gave me lunch and made me rest,
I love my mother she is the best.
Today I want to thank them a ton,
For all the endless things they have done,
For inspiring me and making my life full of fun,
For trying to make me happy and glad,
There they were, My Mom and My Dad.

- Riya Kumar
X A

Planets Amazing Fact

- Mercury – The quicksilver planet.
- Venus – Too hot to handle!
- Earth – Our home
- Mars – The red planet.
- Jupiter – The gas giant.
- Saturn – The ringed planet
- Uranus – A tumbling dice
- Neptune – Heart of ice.
- Pluto – No more!

- Anusha Orea
VI A

Life is What You Make It...

Life is the gift of God to us.

Life is that unique path on which we learn many things, not by reading but through our experiences.

Life is that sapling which, when nourished with proper care, blooms out to be a plant with colourful flowers. Life is that wind which keeps on blowing tirelessly across the whole world. Life is that rainbow which is incomplete without all its colours.

Life is that race in which everyone desires to come first but there is only one winner.

Life is like a song which sounds unpleasant without musical instruments.

...After all, Life is that secret which is beyond all our imaginations.

- Shristi Singh
X C

"Terrorism has No Place in the World"

As Rahim lay on his death bed striving hard to keep his breath going, he could see his past flashing right in front of his eyes.

"Army Public School"- his second home was a place that nurtured young innocent kids and made them emerge as warriors in the days to come. It was a place where discipline was not a mantra, it was a way of life, where respect wasn't given, it was earned. It was an institution, a culture, a legacy-where warriors were made.

Each day it welcomed the eager children with something different and new. And each day it bade them goodbye after having taught them an important lesson of life.

Who could have imagined that on one such day, the tiny kids would be taught something which they would never forget?

Just like any other day, on 16th December, 2014, Rahim woke up as the alarm kept beeping. He dressed up while his beloved mother packed his lunch. He hurried down the stairs eager to go to school.

The very scenario of the school could tell that it was indeed a heaven for those children, a pride for the soon to be warriors.

After the morning assembly, at around 8:00am gun shots could be heard. Soon merciless killings began. Those merciless terrorists brutally shot one child after another. It was at this time that Rahim was shot in his head. The killings continued for a long time. Having caused grievous casualties and death, the terrorists retreated.

The sight of the school was heart-touching. Children lying in pools of blood, some screaming, some silent. The army men soon arrived and evacuated the wounded. Rahim was also taken to the hospital. As he lay half dead, he could see his mother crying, his little brother concerned and his father, an army man, emotionless.

That incident changed everything in those children's lives. Those kids who had known nothing but to be kind and spread love and affection all around witnessed something which brought the reality of this world before their eyes.

Rahim passed away that night but his last wish was something which people could have never imagined. He wanted his brother to go to the same school.

Rahim couldn't let those terrorists win their war against humanity. Neither could the other children who survived the attack. They proved by their resolve, to return to school, that the war against the 'enemies' of humanity is still on and even the children realised that terrorism has no place in the world. These attacks can't weaken the soon to be warriors. Instead it made them emerge bolder and stronger fighters who in the days to come would win the war against terrorism. They would together navigate the treacherous path of victory, failure, manipulation and they will emerge as **WARRIORS.**

- Sharqa Tabrez
XC

A Voyage of Her Life

In the darkness of night,
A sound of a girl who cries;
"Is anyone there to help me?" she says.
But no one is there behind, or beside,
Because she had to make
Her own decision and go ahead.
Nothing is clear, nothing is true;
All are fake in the dusk!
All seem the same in the darkness, what is right,
What is wrong in that bareness,
She sees a beam of light,
Which encourages her on an adventurous flight,
She begins her voyage,
And discovers many new things,
But in her voyage she is lost,
She gets frightened, sometimes,
sometimes, she screams!
At the moment, truth is a big trouble. Because
everything is abominable.
She suffers all difficulties, sorrows, abuses,
For it is said,
If you want to succeed,
Nobody can dispute.

- Akanksha Priya Gupta
XI Science

Friendship

Going too far in life's race,
When I was a growing face,
I would hear all the bedtime stories.
That is still in my memories
There were some angels
Who were like my messengers.
When I was a young girl .
I always wanted to enjoy.
To achieve something great,
I went away from my mate
To achieve success in my life
This separation would hurt me as a knife.
But now I understand,
The glory of someone's company,
Reposing faith inspite of all atrocities.
The bond that I share,
For all the love, innocence and care,
It's my friendship .
Which is like the air that flew,
Something quiet and soothing
Always around us.

- Shruti Chandra
VIA



A Mothers' Heart

A little girl with her family was waiting in the hospital. Her mother was about to die as, she was suffering from brain tumour. The girl sat beside her mother, her mother died in an hour. The girl cried the whole day, whole night long and caught fever.

After she returned from the hospital, she opened her mother's cupboard. There she found some medicines kept with a letter. She opened the letter and started reading. The letter read "Dear take this medicine, I know you catch fever very easily after crying".

"A MOTHER CAN LOVE HER LIFE LONG AND EVEN AFTER DEATH".

- Oshika Patra
XC



Life is a Journey, Isn't it?

We are created by God for a purpose. We have come to this earth so that with our good values we can make the world a better place to live in.

Life is very precious and can also prove to be a boon for someone. From the very day we are born to our death we travel through different stages and learn various things. Right from our childhood we set on a great mission that is to shape this gift of life. Life is said to be a journey because the moment you step on to the first stair, it takes us on and in that journey, sorrow and happiness come like a flash and go away in that same way. What life needs is a positive attitude and with a positive attitude great battles can be won.

A person is born, crosses the threshold of childhood reaches adulthood engages in the materialistic wants of life and finally dies leaving just his memories behind.

Therefore, each and every moment in our life should be utilised and lived with happiness. Life is very precious, if life is there then everything is there. Therefore, friends, you are very lucky to have been born in this world. Never play with this precious life. Always try to secure and protect it. Death is the absolute truth of life and is part of this journey.

- Ginni Jha
X.A

Friendship

Friendship is not a game to play,
It is not a word to say.

Friendship is not only a bond of life,
It is a law as well as change of life.

I don't have time to hate people who hate me,
Because I am too busy in loving people who
would want friendship with me.

Friendship wants trust,
For me it comes first and it is a must.

In the world, friendship is the most beautiful thing,
It gives assurance that you will survive and sing.

It doesn't start in March and end in May,
It is tomorrow, yesterday, today and everyday.

- Anisha Kumari
X.A

Great Quotes for Life

1. Beautiful people are not always good,
But good people are always beautiful from within.
2. Life is like a roller coaster, it has its ups and downs. But it's our choice to scream or to enjoy the ride.
3. You can't have a better tomorrow until you stop thinking about yesterday.
4. Better is a life of childish dreams, than a dreamless life.
5. Just because the past didn't turn out like you wanted it to, doesn't mean your future can't be better than you imagined.

- Latisha Tigar
VI.C

Oh! That Devastating Earthquake

A massive earthquake killed thousands in Nepal and India on 25th April morning. The massive 7.9 magnitude earthquake hit Nepal with devastating force causing a sudden shake and feeling of fear.

Most of us here in Ranchi experienced the earthquake especially those who were in high buildings. The closed circuit cameras recorded real events of shaking indoor articles and building parts.

It was an event that touched a vast area of the subcontinent. Several hikers around Mount Everest were reported to have been dead. At least 34 deaths occurred in northern India.



Buildings swayed in Tibet and Bangladesh.

An earthquake with an estimated magnitude of 7.8, struck shortly before noon, and the people of Kathmandu ran into the streets and other open spaces as buildings fell.

Now, while the Government of India and a large number of lovers of humanity are busy in the rescue operations, we here can simply arrange money and things for helping those who are in serious danger and also those who have been saved by the divine grace.

- Sristi Rani Singh
IX B

Inspiring Thoughts

1. An expert is one who knows more and more about less and less.
2. When you burn with the fire of anger, smoke gets in your eyes.
3. It is not length of life, but depth of life that matters.
4. Control your desires : do not let desires control you.
5. Knowledge talks, wisdom listens.
6. Life means missing expected things, and facing unexpected things. When you are right no one remembers but when you are wrong no one forgets.

THIS IS LIFE.

Conclusion to A Confusion

How can I believe the things I haven't seen,
How can I trust the age of a teen,
How can I tell the things I haven't felt,
How should I react to the things I have never dealt,
But is it that the things I see are the truth?
Is it that the teens spring from a poor root?
Is it me who is insensitive enough to feel other's pain?
Or am I the one who cannot be trained?

A great noble man once said that at some point in our lives it is better to be quiet than to fight.

Thus, here ends the debate,
Love wins over hate.

- Shreyashree Chatterjee
XI Science

Beautiful Nature

A prayer!
For a bright day
When the birds fly
In the wide sky
The nature would be green
And people would watch the scenes
When there would be no pollution
No one would spoil God's creation
Then I can proudly say,
My beautiful nature! My beautiful nature!

- Vidhi Sharma
VII B

Poems

Nature in May!
Nature, Nature
Lord's largest creation
It gives us a pleasure
To look at the beautiful Nature
The flowers are blooming
The sun is glowing
With the expectation of a new day
Because it is May.

Time

Time management is important
Yesterday is a cancelled cheque;
Tomorrow is a promissory note;
Today is the only cash you have-
So spend it wisely.

Time

- Time with yourself
Time has 3 important impressions of its nature:
Past, present and future. It ruled past that's
why we call it history, it rules present and we
call it development and it's always prepared
to rule future, so we call it vision.
- Time is precious
Time is free but it's priceless.
You can't own it but you can use it.
You can't keep it, but you can spend it.
Once you've lost it you can never get it back.
- Time is a fantastic healer
"Our greatest glory is not in never falling, but
in rising every time we fall."
- Time is a great reminder
We all have our time machines

Some take us back, they're called memories.
Some take us forward, they're called dreams.

- Time explains its value.
"Treasure every moment!
Yesterday's is history;
Tomorrow is mystery;
Today is a gift.
That's why its called the present."
To realize the value of one year,
Ask a student who failed a grade.
To realize the value of one month,
Ask a mother who gave birth to a premature baby.
To realize the value of one week,
Ask the editor of a weekly newspaper.
To realize the value of one minute,
Ask a person who missed the train.
To realize the value of one second,
Ask a person who just avoided an accident.
Have practice with time.
"It is a mistake to look too far ahead.
Only one link in the chain of destiny can be
handled at a time."

- Moupriya Ghosh
X B

What is Life

Life is a mystery to believe,
Life is a gift to receive,
Life is a struggle of dreams,
Life is the way of living in deep streams.
Life is full of fragrance of flowers,
The aim of life is high as towers,
Life is a wish to fulfil,
Life is the way to cope with,
Life is a wonder puzzle,
Having many ups and downs,
Life is a treasure
Life is a pleasure
In life, we need people of different kind,
Having different mind.
Let's climb high to gain success,
Let's face lots of challenges,
Each challenge we accept,
Make our dreams pure and perfect.

- Preksha Kaushal
VI B

Friendship

A true and a faithful friend says –
Don't walk In front of me,
I may not follow,
Don't walk behind me,
I may not lead.
Just walk beside me
And be my friend.



Best friends come in all shapes and size,
But their heart are always big,
Where friendship blossom,
A garden of love and peace will grow.
No matter distance between them maybe very far,
But true friends stay close at heart.
If all the world had a faithful friend,
What a wonderful place it would be.

REMEMBER :

Best friend is the precious gift which the good God has given to each one of us so Never Lose this gift.

When I Met my Best Friend

I wandered lonely as a cloud, Although I was in a big crowd. When all at once, I saw someone, Her face was as bright as the morning sun!

The instant I saw her I knew, that she was the one with whom I would share everything and have lots of fun. Yes, you are correct, she was my best friend. Being with her is always a new trend. I and my best friend, we are meant to be together, And together we shall be forever.

- Shreya Mukherjee
VIII C



Teachers and Parents

Our parents give us life,
Our teachers teach us how to live.
Parents love us,
Teachers teach what love is,
Parents fulfil our dreams,
Teachers teach us to dream.
Parents teach us to walk,
Teachers tell us which path to tread.
God couldn't be everywhere.
So he made parents
And parents couldn't teach us everything,
So he created teachers.



- Ishita Singh
VI C

Socializing, are We?

"Social networking sites are reducing socialization". A few weeks back we had a debate on this topic in our school and the topic seemed very appealing to me. So I thought, why not write an article on something similar for the school magazine.

Ten years back, the playground was home to children. No child was seen inside the house. Today, no child is seen outside the house. If mothers ask their 'Oh-so-busy' 'Touting-on-the-phone' children to go out and play, either they don't listen or they go out and play on their phones. Taking the mother's orders too literally, eh?

Communication is constantly evolving some people are as used to seeing their friends online avatar as they are their face. Yazine Folnder said in the telegraph, "People increasingly prefer quick and frequent engagement with instant updates on news than a prolonged chat, and are also finding new ways to catch up with friends from the comfort of their sofa. There's a greater desire to share with other people you barely know, than actually hanging out with friends and making memories. If you look down the memory lane 10 years later, its not the amount of time you spent on whatsapp that you'll remember, or how many levels you crossed in a particular game or how many likes you got on a particular status, but the time you spend outside socializing, meeting new people and making memories."

What is Socializing? Is it not an act that involves meeting new people and interacting with them?

Yet, we prefer to stick to our devices and stay at home. Too often, at events or parties, guests are attached to their smartphones tweeting

and texting, but no one is truly engaging or interacting with the people around them. A study found that one in four people spend more time socializing online, via sites such as facebook and twitter, than they do in person. Some of us are so addicted to these social networks that we share every tiny detail of our lives. Who wants to know which movie we are watching, the song we are listening to, which hotel we have checked in at, what we are having for lunch. Yes, it does give a sneak peice into our social lives. Rather, it opens up all of our lives to the world. But is that what socialization means?

You must have heard the term 'Phubbing'. It is the act of paying attention to the phone instead of people around you! Infact, there are stop phubbing campaigns going on. The more time students spend on social sites, the less time they spend socializing in person. Social networks are not an adequate replacement for face to face communication. Students who spend a great deal of time on social media are less able to effectively communicate in person. As more generations are born into the social age, social media will continue to be the favoured communication form among young people. However, this shift they begin to affect their ability to properly communicate. We already see people who might seem something on a social network but are a complete contrast of what they portray, in reality.

So, its time you switch off your phones, turn away from your laptop screens, put your tabs in your pockets for once, and socialize. You will see the difference. And trust me, You will feel good.

- Zahra Feroz
XB



Jokes

1. Minister : Why did you give the people such a long speech.
Secretary : No, the speech wasn't long I gave a four copies of it.
2. Son : Father, we will turn rich soon.
Father : How?
Son : Our Maths teacher has told us that she will teach us how to convert paise into rupees.
3. Doctor : Your kidneys have failed.
Patient : What! My kidneys have never been to school, how can they fail?
4. Rohit : I killed a person. -
Convert it into future tense.
Mohit : The future is "You will go to jail".



My India

Punjab for Fighting,
Gujarat for Writing,
Bengal for Duty,
Kashmir for Beauty,
Rajasthan for History,
Maharashtra for Victory,
Gujarat for Peace,
Assam for Tea leaves,
Kerala for Brain,
Uttar Pradesh for Sugarcane,
Orissa for Temples,
Himachal for Apples,
Madhya Pradesh for Tribal's,
Jharkhand for Minerals,
All stands for Unity,
India is our Nationality.



- Ritika Tirkey
VII A

Facts

1. Which is the most dangerous city?
Ans. : Electricity.
2. Which is the jam we do not like?
Ans. : Traffic Jam.
3. Which is the mountain which always rest?
Ans. : Mount Everest.



Friends

Friends, are like Tom and Jerry.....
They IRRITATE each other,
TEASE each other, but they cannot
Live without each other.

- Sneha Alisha Kullu
X A



The Lovely Mysterious Sky

No one can understand the mystery of the sky
It's like a dream to everyone's eye
The thought in my mind, it brings art in the sky
No one can understand the mystery of the sky

Thousands of art forming in the sky,
The bluish patch passing by,
The moving clouds cover the sky
But no one knows the mystery of the sky.

Still there is something in the sky,
I waited for a while, to answer the question why?
Forming the mountain of the peak very high,
But no one could understand the mystery of the sky

O mysterious sky, looking to you,
I forget who am I?

Please tell me your lost desire,
So I may inspire
O lovely mysterious sky

- Vidya Shreya Kess
X B



Fun Time

- Two men were asleep by the side of the road when a thief steals their blanket

Man 1 : Stop! Thief!

Man 2 : Shhh... Go back to sleep well catch him when he comes back for the pillows.



- Once a history teacher and a Maths teacher were fighting.

History teacher : I will put the whole Mughal army on you.

Maths Teacher : I will lock your army in brackets and multiply by zero.

- Mother : Now, Dhruv, when you go for dinner at Parth's house, don't forget to use the knife and fork.

Dhruv : Mummy, is it necessary that I use a knife and fork?

Mother : Of course, you must!

Dhruv : Ok, but if the soup spills all over the table, it's not my fault.

- Aali
VI B

If We were A Tree

If we were a tree
We would be as hard as stone
But we too had to suffer,
From rainfall and chilly winter

If we were a tree
We would have to die
For keeping warm,
The people who are wise

If we were a tree
We would be as high,



As a gigantic building
Giving the earth
A beautiful shading

If we were a tree
Strangers would have rested
Under us and would
Have felt too proud to have tested
The power of the scorching sun.

- Swarnima Singh
VII A

A Loreto Student

Standing under the scorching sun, I felt a deep pain in my heart, a great anguish which I could not exactly figure out. I was oblivious to everything and everyone around me. I stared at mother Mary's statue, there she was, and there she is always with the same kind and compassionate smile on her face. Yet today she did not seem to be very alive. It seemed to me as if she was there, blessing me... The school, the giant too, seemed to come alive. I felt as if I could see a face, a person behind the facade of the structure. It seemed it was bidding me good byes, yet wishing that I could never leave. Today, only 1 year is left for my school life.

All those previous years had taught me to fight for my needs. I have turned into an eager youth, from a shy and nervous child. The great pillars in our hall-they are not just pillars which hold the structure, they are also our dreams and joys. Every word of every prayer I solemnly utter every morning gives me strength and inspiration to do everything in right time.

One name, one breath encompasses all these entities of my life, one name that constituted this nascent period of my life. Loreto Convent, Doranda, you have given me all. You have given me my friends and wonderful memories. You have given me my identity. Yes, I can proudly say Loreto Convent is my identity.

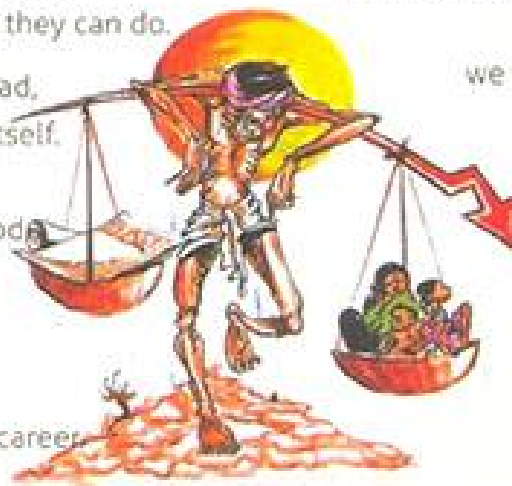
*No matter where I go or what I
Become, I was, I am and shall
Remain..... a Loreto student.*

- Mohini Ratna Amvastha
IX B

Unaltered

Poverty is growing day by day,
Crossing all barriers on its way.
People go to sleep without having food,
For there is nothing other than this they can do.

Sending them a single piece of bread,
God appears to them in that form itself.
For one day the rich may realize,
That service to man is service to God.
God made us all the same,
With similar hands, legs, and face.
But it is we who create a barrier,
Which will one day destroy all our career.



Sending them a penny will not make us poor,
But make us realize that it was a good deed dear.
Their being in such a state is our mistake,
Apologising is not enough
we have to bring them up again.

Feeling about them today,
I feel so low,
Because I am amongst them
who made them feel so.

- Harsimran Kaur Malhotra
X B

A Wish Gone Wrong

Ever heard the saying "Think before you wish"? I am sure you have. If not, then this short story will definitely make you believe in it.

Jake was a fifteen – year old boy. A few years back, his uncle, whom he was really close to, had died in a car accident. It was all very sudden. His uncle had died at a very early age. Everyone in the family was disturbed, but Jake was beyond disturbed or sad, he was depressed. To reduce his depression, he used to visit his uncle's grave everyday. This soon turned into a habit. He visited the grave everyday. Apart from this, he even talked to the grave as it made him feel better.

But one unfortunate day, when his day had been exceptionally bad, he came to visit the grave. Being in a bad mood, he started talking to it about how he hated his life and wished to die and join his uncle in the

'Unknown'. Little did he know that his day was yet to become worse.

He soon left the grave and came back home. He followed his everyday routine. As the day went on, his bad mood disappeared and he forgot about his wish. Night came and he went off to sleep. During the dead of night, he woke up from the noise of his bedroom door being opened. He looked up and saw his dead uncle, disfigured and decayed, walking towards him with a butcher's knife. Jake, paralysed with fear, could not move a muscle. His uncle kept inching closer and mumbled something. On listening hard, Jake realized that uncle wanted Jake to join him. At that moment, Jake recalled his wish. He screamed and closed his eyes. He heard some noise but kept his eyes firmly closed. A little later, he heard his mom calling out his name. Jake slowly opened his eyes and sighed with relief. It was just a nightmare, he thought. He explained to his parents that he had a nightmare. He told them not to worry and wished them good night. His parents left his room and he tried to go back to sleep. But no matter how hard he tried, he just could not. His uncle's terrifying face kept coming back to his mind. Almost unknowingly, he turned to look at the spot where his uncle had been standing. He was about to turn back when something glinting on the floor caught his attention. His body filled with fear as he saw that it was butcher's knife.

- Aakriti Sahu

X B

*Negative thoughts are like 'weeds' in your garden
and positive thoughts are the 'seeds' of your garden,
Kill the weeds and feed the seeds.*

The Wondrous Sights of Nature

1) Angel Falls, Venezuela

It is a waterfall in the Guiana highlands in Bolivar state, in south eastern Venezuela, on the Churun River, 160 miles south east of Ciudad Bolivar. The highest waterfall in the world, the cataract drops 3,212 feet and is 500 feet wide at the base. It leaps from a flat-topped plateau, Auyun – Tepui or Devils Mountains, barely making contact with the sheer face. Because of the dense jungle surrounding the falls, they are best seen from the air.

The falls, first sighted by outsiders in the 1930s, were named for James Angel, an American adventurer who crash-landed his plane on a nearby mesa in 1937. In late 2009 Venezuelan President Thago Chavez declared that the falls should be referred to as Kerepakupai Meru, an indigenous name, meaning 'waterfall of the deepest place'.

2) Marble Caves, Chile

It is a spectacular formation of an intricate system of water-filled caverns is set on lake General Carrera in Chile's Patagonia— one of the largest fresh water lakes in South America. It is a unique geological formation featuring a group of caveems, tunnels and pillars created in marble and formed by waves and ice over the last 6000 years or so.



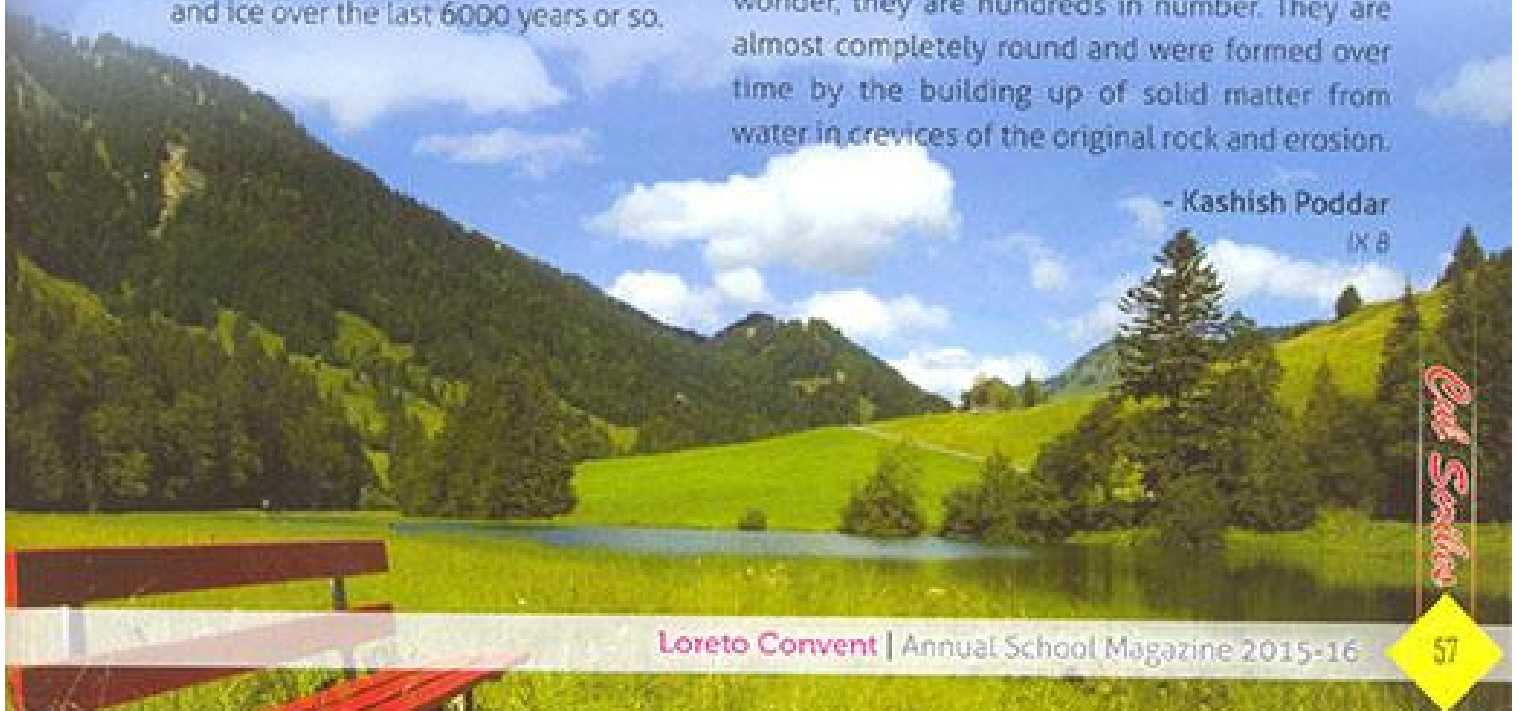
3) Geysir Strokkur, Iceland

Geysir strokkur in Iceland is a nature wonder. This white column of hot water can reach as high as 30 metres up in the air about every four or five minutes, to the delight of visitors. Strokkur is Icelandic for 'Gusher' and the English word 'Geyser' is derived from it. The whole geothermal park surrounding geyser strokkur sits on top of a vast boiling cauldron, belching sulphurous mud pots of unusual colours. Hot and cold springs, hissing steam vents, and primitive plants can all be found there.

4) Moeraki Boulders, New Zealand

These huge marble rocks are scattered across the Koekohe Beach in New Zealand. A natural wonder, they are hundreds in number. They are almost completely round and were formed over time by the building up of solid matter from water in crevices of the original rock and erosion.

- Kashish Poddar
IX B



Crossing the Seas

Life went on cheerful until we came to class 10. Ten in lion den...!!! Yeah...

The love and care which we got from this school... Just 4 letter word which defines life that connects a person to another. It's the only reason why we live, why we have been blessed with this life. We get to cherish it, feel it in our heart, and store in our hearts as memories.

We are a bunch of insecure, imperfect, deeply flawed kids trying to make sense of our lives and find our place in this busy world. We seek for answers and end up with even more questions.

It is a waste of time to be angry about one's disability. Life is just about taking chances and being prepared for the worst.

My Geography teacher always used to say- "World is round, whatever you do comes back to you". So people, be good.

How these days have passed so quickly. It seems it was just yesterday. When I entered the school!!! People come into our lives just like the waves of the sea. At one moment they are and at other moment we meet someone else. But very few leave footprint on our heart.

School teaches us to know and understand ourselves. I just want to ask... "Take a look around you... Is it everything you dreamed of? Is it what you always wanted? Is it all what you need?"

Look at your life and how you live it. Did it turn out as you would have liked it to be? Or are you a p e r f e c t

stranger- Living someone else's life? Make your actions may it never make you regret... Time is very precious – Once lost, never comes back.

Life may bestow us with love, care, fame and many other things which would fantasize us. People around us will show love and concern but its always ourselves who decide whom to trust & whom not to. Its never too late to begin with a new life. You may have felt cheated or disappointed but there is still a lot to explore!!! I am lucky to have such friends and teachers around me who guide me and assure me that "I am not alone".

Often we are attracted towards somebody because of their outer beauty or may be personality; isn't it? And we try to follow them in looks, clothes and then become a so called "FAN" of hers. Yes I am not joking. I have seen many people doing the same. Yeah... To tell the truth, myself too... But that's another story. But the point is:- Is the one who created her or him not the same for you!!!

Remember one thing we are beautiful by our own personalities.

Now, the next time you look into the mirror, look past everything you see, look deep inside at who you are and who you want to be.

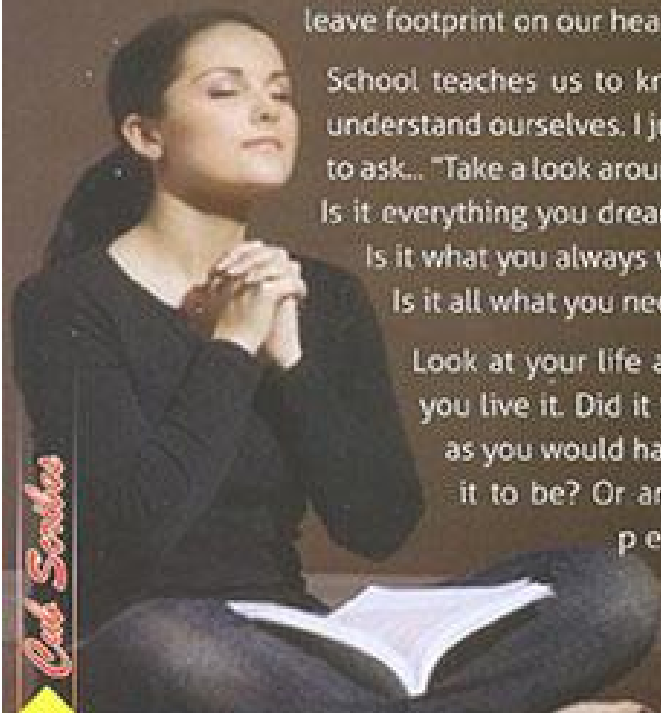
You will find yourself. It's the real YOU. We believe that we have forever to fulfil our dreams, to complete our pending jobs but the truth is our 'Forever' could just end round the corner.

So, forget your mistakes and lets start a new fresh life which will keep us happy and not regretting about 'PAST'. Seek answers from within and never be influenced by those around you.

Enjoy every bit of your life. You never know when its gonna come back.

- Pratigya Ekka

X 8

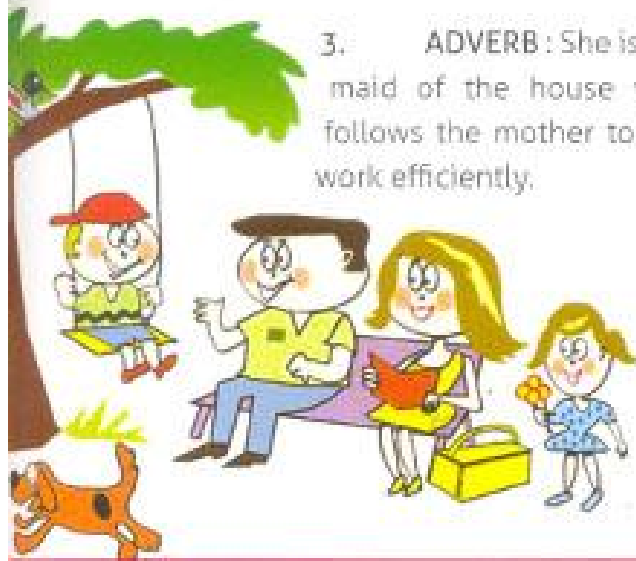


Out Scribes

The Happy Family of Grammar

In the town of English, a little but very important house is that of Grammar. Each member of this family is closely knit and interrelated. Let us identify the qualities of each member of this family.

1. **NOUN** : He is the father and the head of the family without whom grammar is incomplete.
2. **VERB** : She is the mother who does all the work in the house with love and care.
3. **ADVERB** : She is the maid of the house who follows the mother to her work efficiently.



4. **PRONOUN** : He is the eldest son who takes the place of father in his absence.
5. **ADJECTIVE** : She is the decorator aunt who makes the house beautiful.
6. **CONJUNCTION** : She is the grandmother who brings peace between two members of a family whenever they fight. She helps in bringing them together.
7. **PREPOSITION** : He is the grandfather who always tells us about the position of the family.
8. **INTERJECTION** : He is the family friend who exclaims from time to time when needed.

Now we understand that these members can never be separated from each other. Neither can they function without each other.

- Sneha Vijay
VI C

Tricky Riddles

1. How can a pant pocket be empty and still have something in it?
Ans. : It can have a hole.
2. If I drink, I die. If I eat, I am fine. What am I?
Ans. : A fire!
3. How do you make the number one disappear?
Ans. : Add the letter "G" and its "Gone".
4. How many months have 28 days?
Ans. : All 12 months.
5. If an electric train is travelling south, which way is its smoke going?
Ans. : There is no smoke in an electric train.
6. A man was driving a truck. Its lights were

not on. The moon was not out at that time. Up ahead, a woman was crossing the street. How did he see her?

Ans. : It was a bright and sunny day.

7. What is as light as a feather, but even the world's strongest man cannot hold it for more than a minute?

Ans. : His breath !

- Nishtha Barnwal
VII A



If & Could Be

Once I sat in the corner of my room, and wondered seeing the broom. If there could be a way that I could fly, being carefree in the night sky. Going through and through the clouds, telling everyone to sing aloud. I could help the people around, by hearing their shouting sound. I would know how to do magic, and help people so that they don't see a sight which is tragic.



*Be a humble and kind girl,
Who shines like a pearl.*

Instead of a witch I could be a fairy on the broom,
Suddenly I woke up and saw that I was in my room.

- Priya Ghosh
VII 'A'

A Strange Language

- ✦ The English language is very strange. Its rules that we can't change.
- ✦ The past tense of "blow" is "blew". But that of "slow" is never "slew".
- ✦ The past tense of "sit" is "sat". But why is "hit" never "hat"?
- ✦ The plural of "Ox" is "Oxen". But "Box" is "Boxes" and never "Boxen".
- ✦ The plural of "Man" is "Men". Why shouldn't the plural of "Can" be "Cen"?



What a strange language it is!

- Simran Jha
IX 'B'

Innovation

Alphabets are so intelligent

Always Be Cool

Don't have Ego with Friends

Give up Hurting Incidences

Just Keep Loving Mankind

Never Omit Prayers

Quietly Remember Lord!

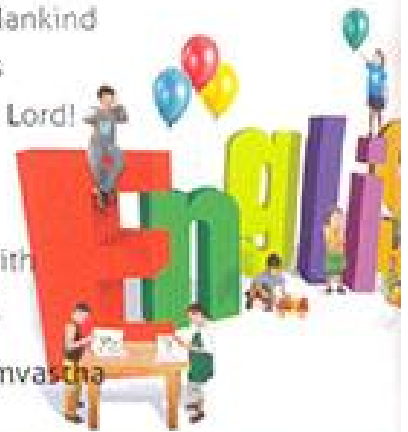
Speak Truth

Use Valid Words

Xpress Your Zeal with

"Great enthusiasm.

- Mohihni Ratna Amvastha
IX 'B'



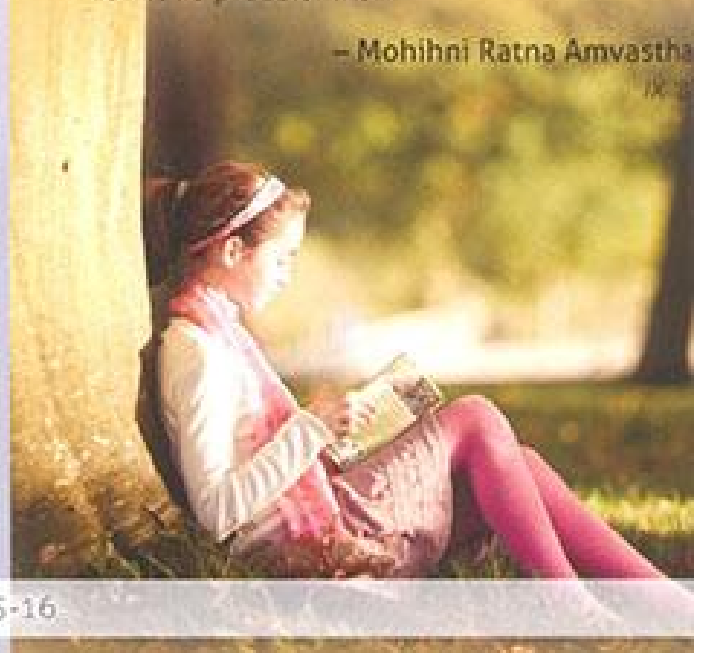
True Love

Don't go for looks they can deceive,
Don't go for wealth even that fades away,
Go for someone who makes you smile,
Because it takes 12 hours
To make a dark day to shine.

- ✦ Find a guy who will pick up every piece of your broken and shattered heart and put it back together again;

Keeping one piece for himself and replacing it with a piece of his.

- Mohihni Ratna Amvastha
IX 'B'



India's Enemies

You must be wondering that who are the enemies of India. I know many questions must have arrived in your mind after reading this heading. The biggest enemy of India is not the outer world but the citizens of India themselves. I know it is hard to believe, but the present situation reveals everything.

By the 42nd Amendment Act, 1976, the word "SECULAR" was inserted in the Preamble to the Constitution of India. It states that all the people of India are free to Practice, Propagate and Profess any religion they want, still the words 'Jihad' and 'Ghar Wapsi' are printed in newspapers almost

every day, still there are religious conflicts prevailing in our society, still there are people with odd mind sets. Today India's children are fighting with each other on the basis of

religion. Not all but few. And due to these few people conflicts arise which are gruesome to the rest. They don't consider others. They are interested in themselves. People have become selfish or may be too busy to think about their country. Today religion has become a common topic for debating. Religious conflict is just one part of India's enemies. Among others regionalism is also there. Being the citizens of the same nation people differentiate on the basis of region. The victims are mainly the northeast students coming to north and south west India to study. They are subjected to humiliation and fights which result in serious injuries to them both physically and mentally. Another enemy is the Social Evil. There are incalculable social evils prevailing in our society. These conflicts, regionalism and social evils take place due to the lack of education. Moral education builds our personality but it has not yet reached most of the parts of our country.

We all know that India became independent on 15th August, 1947, but India is still caged by these conflicts & evils. After 68 years of independence, India is still not completely independent. There is a big question that when will India be free from these barriers. These conflicts and evils spread tension all over the country and block the process of progress. The duty is now on our shoulders. Everyone should dream for a completely free India. To fulfill it, first we should be well educated and then educate others. It is rightly said,

"If you educate a child,
you educate a generation".

Therefore, we should try our best to set India free from all shackles of religious conflicts, regionalism and social evils.

– Debashrita Mahata

IX 'B'



Friendship

- ✦ Friendship is something you feel from heart you will know everything when it will start.
- ✦ Enjoy life with your best mate for understanding this it's never too late.
- ✦ Life becomes better with a friend's support just get ready and board this boat.
- ✦ To your life friendship will bring happiness, but be careful that you don't make it a mess.
- ✦ Friendship is something without which one can't live, lots of fun it will always give.
- ✦ And once you've lived it, you'll feel a lift which will make you understand that friendship is God's most precious gift.

– Latisha Tigga
VI C

The Cancelled Test

The difficult test was cancelled at last,
Thanks to the teacher for taking the decision fast.
Some children were happy and some were gay,
While the others were sad and cried in dismay.

For they had learnt the lesson by heart,
Some got hold of a guide from the stationery mart.

The teacher heard the noise from the class,

Through the window, came the blast.

Up she came with a stick in her hand,

The children were wondering where it would lead.

They were afraid of the teacher's shout,

She punished some and sent some out.

All their happiness turned to sorrow,
When the teacher said, 'The test will be held tomorrow'.

– Simran Jha
IX 'B'



Friends Forever

Friends smile at you

They like your face

They want to be with you

Any old place.

Friends have fun with you

Friends share

They're glad when you're happy

They care when you're sad.

If you are a friend

Then you care, too.

That's why your friends

Are glad!!!

You are special to me in every way

THANK YOU for being who you are.

"True friendship is seen through the heart, not through the eyes.

– Mohihni Ratna Amvastha
IX 'B'

Strange Studies

NAME	SUBJECT
Angelogy	Angels
Aphnology	Wealth
Teratology	Monsters
Xytlology	Wood
Tsiology	Tea
Nephology	Clouds
Rhinology	Noses
Pharology	Lighthouse
Kolology	Beauty
Gelotology	Laughter

– Advika Pandey
IX 'B'

Quotes

- ✦ Everybody wants happiness
No one wants pain but,
We can not have a Rainbow
Without a little Rain
- ✦ Failure looks beautiful when you have a
loved one to support it. But even success
hurts when you don't have a loved one to
share it.
- ✦ To accomplish great things, we must not
act but also DREAM, not only plan but also
believe.
- ✦ Each time a seed drives its way through the
soil in order to survive, each time a river
over comes a big rock on its path, each time
a wriggly moving caterpillar transforms itself
into a beautiful butterfly, nature is inspiring
you to excel. The next time you want to be
inspired, then all you have to do is to look
deeper into the natural world and hear the
secret messages that nature sends.

- Ankita Vivati Kujur
IX 'C'

Learning

"Oh teacher, Oh teacher,
Please do understand,
We can't do it anymore
We don't want to do more
These subjects are so incom
And seem so unintelligible"

"Okay, don't study," the teacher said and smiled.
'But first you tell me, do you think you can survive?'
All forty students said 'yes' in unison
But the teacher surprised them with
Yet another question

"How many of you aspire to be the PM?"
Few hands shot up, both masculine and feminine
"Good, Good" she said, putting on a smile
Doing this she believed would never be futile

"Any actors here?" she queried again
Most hands raised up, eager to gain fame
"Scientist, Journalists? Any Doctors here?"
Up went the hands of the rebellious rare.

"But do you know how to become one?"
Not by money, not by fame
Learning is the best way to make one's name.

- Shreya Smriti
IX 'B'



Books

Book, Book
It is not to look
It gives us knowledge
For school and college
It is a thing to worship
For better friendship
Story books are good at night
For children to have a wonderful sight.



- Bhaswati Chakraborty
VII C

True Friends

Don't worry when
I fight with you,
Worry when I stop,
Because it means
There's nothing left
For us to fight for.

- Mohihni Ratna Amvastha
IX 'B'



An Unforgettable Expedition

Our trip to Sadam was an unforgettable expedition. We were accompanied by Sr. Greta and Mrs. Kaur. We started our journey on 23rd April from Ranchi station and we reached New Jalpiguri station at five in the morning. From there we took two cars to go to Sadam. On our way, we saw beautiful scenery. It was raining cats and dogs and the road behind was not visible at all. On reaching Loreto Convent South Sadam we were welcomed by the marvellous presentation performed by the students there. We were greeted with the traditional shawl and their smiles. We taught them many songs which they enjoyed learning. In the evening we went down the cliff, viewing the mesmerizing landscapes. Next day the sisters took us to the great mountain of Sadam. We went for the interactive session with the students of Sadam. As we were climbing up the mountain from the third house to the fourth, we experienced a breath seizing 'earthquake' of 11 seconds. All of us were shaken and our eyes were moist with fear. But we still continued our journey and climbed 5000 feet. After some time we felt another earthquake outside the church. While going down we halted at the nursery and Mrs. Kaur bought some flowers for the school. Many of us were not able to walk down the mountain with ease, because it had become very slippery due to the incessant rain. Our friends

fell down as it was very steep. It was 02:00 pm when we reached the school. In the evening, we planned to cook food ourselves and we made noodles, missi roti and vegetables. The food was very delicious and appreciated by all. We were very tired after the long and hectic day. The next day we went to meet the children of Sadam living at the bottom of the cliff. We went to Sampada's house. She had got hurt due to running during the earthquake. We went to many other houses and were wholeheartedly welcomed. We experienced another earthquake in the school and we came rushing down the stairs. Next day, we went to Loreto Panighata, where sister Pushpa welcomed us with open arms. When we were getting refreshed, we experienced another earthquake which was of 6 seconds. This time we went down slowly as advised by Sister Barbara. There were girls who made beautiful cards, bags and purses. We bought many cards and they gave us some free samples too. The next day we went to explore the tea garden and the tea factory. On the way, we visited a temple to worship the goddess for a safe and happy journey. In the evening, we went to Sister Philomena's house, where we were welcomed with smiles and hugs. We had a very good dinner. From there we went to the station and boarded our train for Ranchi.

– Aanya Taneja, Maitreyi Upadhyay

IX B, IX A



The Day when Everything Went Wrong

It was a fine morning, everything seemed to be almost perfect. The sun shone bright, the sky was clear and the birds chirped in chorus. I woke up and stared at the bewitching scenery. Slowly my eyes moved to the clock and there it was, from a beautiful morning it became an ugly morning, the sun shone right at my eyes, the birds now seemed to be screaming at the top of their voice and all because I was late for school.

At school, I came down the stairs dashing and shoving anyone who got in my way. Hopefully the assembly hadn't started but I found myself among complete strangers – The junior school.

It was a little late to realize that the assembly (this time Senior school) was in the other hall and the doors were closed. However, I managed to get inside but was welcomed with demerits for being late. 'Gosh, what a morning!' was my first thought. Later the class was in a commotion. On the other hand, thinking myself a genius, I got up and in front of the whole class shouted at them for not behaving in

a proper manner and agitating other classes. Their voices decreased increasing mine and the teacher next door came alarmed. She saw me, and I saw her, she confronted me for shouting but I did not dare to tell her anything.

Lunch Break – the best part of a school day. Opening my lunch box was always a mystery to me because I and others never knew what was in there. And that day it was... fruits? I got dejected but even more dejected when I saw that none of my friends had brought something tasty. The other half of the school day also did not go well.

In the afternoon assembly, our teacher was giving out prizes to those girls who scored highest in Olympiads. She called out some names and then 'Shreya Smriti'... I thought 'Was that my name just announced?' 'Did I score...' 'I should definitely go and get my prize.' But after a few milliseconds the teacher completed the sentence... "You forgot your bottle".

– Shreya Smriti
IXth B¹



My Friend Doraemon

I like Doraemon from 22nd century to 19th. he had gone, his colour is blue. for everything he has a clue, he is afraid of rats and scary bats. Doracake, coloured brown and peach for all these he always has a speech. He has a pocket on his tummy and loves his mummy. He has a friend Gian, like a don. I like Doraemon.

– Chahak Gupta
VI A¹



Travelled A Small Distance but **Discovered a Lot of Beauty**



"They will hold you up with their hands to keep you from hurting your feet on the stones".

Psalms ch- 91:12 - Holy Bible

To love and be loved makes our life beautiful. To achieve our dream we should give our best effort and if we fail we should not lose heart we should continue dreaming. One never knows when our dream clicks and our life changes. In life we experience victory but never experience failure, as we learn a lesson from our last mistake.

One should never forget to look back after reaching success because there is something there which has brought us to the highest peak of our life. We should try to be a better person than we were yesterday because regretting things will never help.

Our life is a melodious song which has complicated lyrics and without understanding we curse others and forget that – "EVERYTHING HAPPENS FOR OUR OWN GOOD".

In life we are given a test that teaches us a lesson. Whenever you are confused about something pray to God because he will surely answer you. We should not blame others for anything because they are the ones who will be with us throughout our life, may be not together but still there will be something which will keep us together.

- Sonia Olivia Minj
X^{TC}

God is One

MANDIR = 6 Letters

MASJID = 6 Letters

CHURCH = 6 Letters

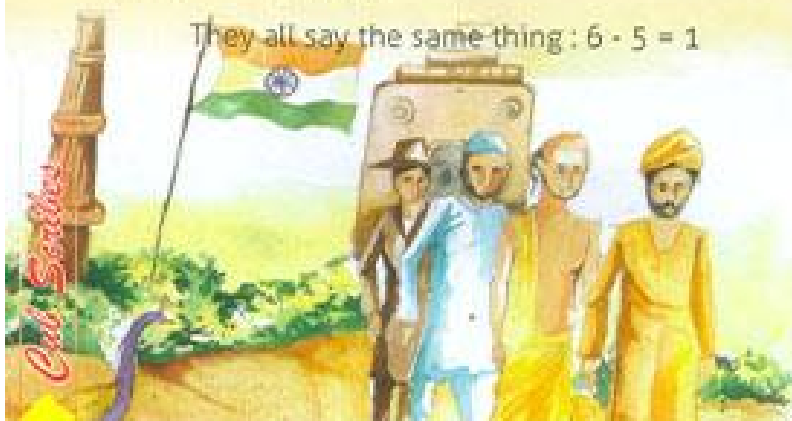
&

GEETA = 5 Letters

QURAN = 5 Letters

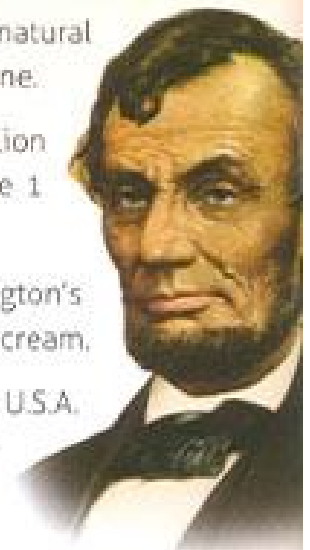
BIBLE = 5 Letters

They all say the same thing : $6 - 5 = 1$



Amazing Facts

- ✦ In Titan, Saturn's natural satellite, it rains methane.
- ✦ It takes about 15 million cloud droplets to make 1 droplet.
- ✦ One of George Washington's favourite food was ice-cream.
- ✦ The 17th president of U.S.A. was a tailor before he became the president.
- ✦ In 24 hours an average human heart beats 1,03,689 times.



- Aparna
VI^{TC}

Interesting Information

- ✦ The first international passenger service started from London to Paris in 1919. During those days the bombers used in the World War I were adapted to make passenger aircraft.
- ✦ The rainbow, a spectrum of seven colours, has always captivated Man by its sheer beauty. This multicoloured arch of light in the sky after a shower has fascinated many poets into writing lyrics in praise of it. No one really understood the cause of the rainbow after a down pour of rain. It was the odoric of Freiburg who, in the 14th Century, discovered how a rainbow is created. According to him it was caused by the refraction, reflection and dispersion of the sun's rays through the rain drops or mist.
- ✦ John Dalton the English chemist, was the first person to note and record colour blindness. Surprisingly, he himself was colour blind.
- ✦ The first nuclear submarine, the USS Nautilus, was built in 1945. In 1958 it travelled under the Arctic ice and surfaced at the North Pole.

- ✦ The world's biggest submarines are the Russian Typhoon class. They weigh over 26,000 tonnes.
- ✦ In 1960 the submarine Trieste, reached a record of a depth of 11,000 meters.
- ✦ Blood transfusion did not become safe until 1900, when Karl Landsteiner, an Austrian pathologist, identified the four different types of blood groups. His findings made it possible to match the donors and the patients.
- ✦ Carl Linde, a Swiss inventor invented the first refrigerating machine in, 1874.



Slogans

1. LIFE is the most difficult exam. Many people try to copy others but they don't realise that each person has to answer a different question paper.
2. Many people try to throw stones in your way. It depends on you what you will build with them.
A WALL OR A BRIDGE
3. Six ethics of life
PRAY before you have FAITH
THINK before you WRITE
THINK before you SPEAK

HATE THE SINS BUT NOT THE SINNERS
DO YOUR BEST and GOD will help you
LOVE ALL, TRUST A FEW.

- Trisha Kerketta
X A

Everybody Loves a Rose. But Nobody Loves a Leaf which actually makes it Beautiful. So Love those who make your Life Beautiful and not those who are Beautiful.

- Sneha Smriti Minz
X C

Believe in Your Own Brilliance

I vividly remember the day I joined this institution. I was crying, reluctant to leave my mother's hand. Eleven years later, came another day in my life, a day which will forever remain etched in my memory. It was the last day of school. Ironically, I was crying once again but this time because I was reluctant to part with my friends and beloved teachers, reluctant to say goodbye to the school that was so close to my heart. But then as they say life moves on, and so it did, for all of us. (But my life changed forever).

It has been one and a half years since I left Loreto Convent, Ranchi— my secure haven, to step into a different world altogether and the changes have been drastic, believe me. I can endlessly go on talking about how marvellous life used to be in Loreto and I do that very often with myself but when I have been given this great opportunity to speak to you, my dear juniors, why not use it for the best.

The first idea that struck my mind was to tell you about the lessons Loreto has taught me (not just Physics, Chemistry and History lessons).

I have taken it another step forward, and I am going to share with you my experiences and also other people's experiences (that I have learned from their books and stories) that have taught me all that I know. Hope they inspire and kindle the fire within you.

Work hard at whatever you do, but begin with your studies. Studies, right now, should mean to you, what oxygen means to your body. Give every class your hundred percent, prepare well for every big or small test and I assure you of an exceptionally overwhelming feeling of achievement. Remember "The heights great men reached and kept were not attained by sudden flights, they, while their companions slept, were toiling upward in the night."

Learn to manage your time, because your time is your greatest resource. Well arranged time is the surest mark of well arranged minds. Realize that all tiny moments together make your day and all these single days will combine to form your life. So, live as if every moment counts, believe me, it does!

Take part in as many cultural and co-curricular activities

as possible. Be it writing, reading, painting, debate, quiz, dance, sports—anything, including areas you are good at and even the areas that need improvement. Read as much as you can. Use the library exhaustively. Read books by great people, get to know about their beliefs, their ideologies, their attitude towards different circumstances of life and try to adapt those things which fascinate you. Collect great quotes, quotes that ignite sparks in your heart, and try to live up to them each day. A great soul had said "Nurture your mind with great thoughts for you will never go any higher than you think".

Love and respect your family because they are the only ones you have got love and care from. Don't ever take them for granted. Keep them and yourself happy, that's the greatest way to thank them. You will never be alone if you have them by your side and you will always have them by your side if you treat them right.

Have faith in yourself. Don't ever underestimate yourself. If you have taken up a task, start it now, do it with your mind and heart and you are bound to succeed. "Believe in your own Brilliance!"

Take care of yourself and of people you love. Keep smiling. Do at least one deed of kindness daily. Play with children. Love the elderly. And make your country proud. I guess this is more or less that I wish to say. I know its too long a message and too much to ask of you, but see what you can do, begin with small steps and reach your dreamed destination, but don't forget to enjoy your journey.

As for my part, I am in the most challenging phase of my journey right now, striving to get into one of the best colleges in India. I can never thank Loreto enough. For everything I am and everything I shall ever be, I owe to my parents and my school – Loreto Convent, Ranchi.

Thank you sisters, my dearest teachers, my friends, my seniors and my lovely juniors.

- Riya Mehta
Ex-Head Girl



Making Fun of Others

Once upon a time there lived a boy named Raju. He was very naughty and always made fun of others. One day Raju was going out to play in the park. He saw a girl who was trying to tie her laces but did not know how to do it. Raju came near the girl and started laughing. The girl did not like it. Because of such habits, after some time Raju lost all his friends. No body played with Raju and he was alone all the time. This made him very sick and he lost his health too. He also did not eat properly. Seeing his condition, his friends decided to make friendship with Raju once again. Raju also promised that he will never make fun of anyone. They held each others hand and went out in the park laughing and playing together.



Our Home

There were four baby birds living with their mother bird. All four baby birds always told the mother that their home was very small, compared to their friends' house.

One day all the baby birds flew away to their friend's house. The baby birds were hungry and asked for food but the friend's mother told them there is no food for you all.

The baby birds felt sad and thought why did they leave their home and decided to return to their home and said, "East or West our home is the best."

- Manashwi Dutta



Annual Sports Day 2015 LCR

Life without functions and celebrations is charmless and life less. It is true in the case of school life also, without functions school life also becomes monotonous and uninteresting. Sports add good health, colours and thrill to our life.

My school organized our Annual Sports Day on 5th December, 2015. The function was preceded by a lot of preparations under the guidance of our expert and dedicated teachers, sisters and Principal. On Annual Sports Day our school's far field wore a festive look with colourful flags of different houses, balloons and tents. The function started around 01:30 p.m. Our esteemed chief guest 'Mr. Sudesh Mahto' took the salute of the march past by the children. Then we had lighting of the lamp by the torch bearers followed by the oath taking ceremony. After that different

kinds of relay races, aerobics, drills, karate, flat races, pyramid formations, race of parents, prize distribution etc. took place. Music and song filled the air. The announcement was done magnificently by my respected class teacher Mrs. Waris and Mrs. P. Bose. Children's colourful dresses, lively steps and their efforts to prove their best in sports impressed everyone. Children were encouraged by the applause and cheers from the crowd. The function concluded at 4'o clock with thanksgiving speech by our respected principal sister Anjuman.

I am sure everyone enjoyed the function to the full and went back with sweet exciting and pleasant memories.

- Vanshi Arora

IV A

My Friend

Who is the greatest gift to us?
It's no other, but friends together.
God has made her heart so kind,
Such a sweet friend is hard to find.
Scold me whenever I am wrong,
But never remain angry for long.
I wouldn't have been so good ever,
You try to make me better and better.
You are so loving and so kind,
No such person we can ever find.
Dear friend please do me a little favour,
Stay with me forever and ever.

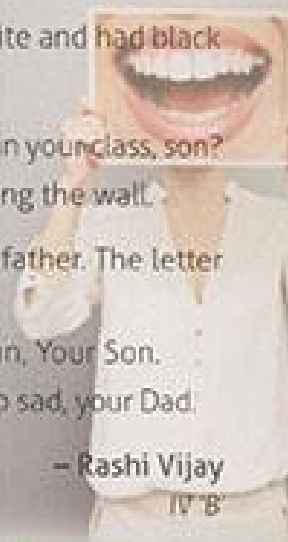
– Janhvi Jaiswal
II 'C'



Jokes

1. Teacher : Can any body give an example of coincidence.
Jonny : Sir, my mother and father got married on the same day, same time.
2. Dad : Son, how was the examination paper today?
Son : Dad the paper was white and had black letters printed on it.
3. Father : Where do you stand in your class, son?
Son : Dad, in the corner facing the wall.
4. Ramesh sent a letter to his father. The letter read
Dear Dad : No money, No fun, Your Son.
His father replied : So bad, So sad, your Dad.

– Rashi Vijay
IV 'B'



Little Sunny Bunny

Little boy Sunny,
And little girl Bunny,
Exchanged their dresses.
And looked so funny.
Which one is Sunny?
Which one is Bunny?
They are so funny!
Oh! So funny!

– Suondous Fatima
III 'A'



My Family

I am a girl,
Playing with a doll.
She is my mother cooking in the kitchen.
He is my father looking for the newspaper.
She is my sister studying in her room.
It is my dog eating from its plate,
and this is my family busy in their work.

– Janvi Singh
III 'C'



*The purpose of learning is growth.
Our minds, unlike our bodies,
can continue growing as long as we live.*

Put Trust in Dreams

If you dream of becoming something,
Even a king or a queen
You can fulfil it if you,
Put trust in your dream.
When you see Saina Nehwal,
Or anyone who completes her aim
It becomes your dream,
To do the same.
So just don't let it go,
Like a melting snow,
You can fulfil it if you just,
Put some trust in your dream.
When you dream of becoming something,
Even a king or a queen.
You can fulfil it if you,
Just put some trust in your dream.

– Sanya Karna
V 'C'



Part of Speech

Every name you call a Noun,
As dress and king and queen and gown;
The Pronoun in place of Noun does stand,
As you and I clap our hands;
The Adjective does a thing describe,
A soft cushion and beautiful life.
The Verb means action, something done,
As sing and dance, and play and run.
The Adverb shows How,
Where and When things are done,
As quickly, inside and often.
The Preposition shows its relation to a Noun,
As at station or in town.



– Damyanti Das
V 'B'

Mother Earth

Earth is our natural mother.
She always keeps caring for us.
She gives us air, water
Food, shelter and a beautiful nature.
We can't respect her
By cutting trees, wasting food and water
Polluting and dirtying the air and water.
As mother earth gets disturbed
We should respect her
And keep caring for her.
Then she will be happy and
Will make our life happy and joyful.

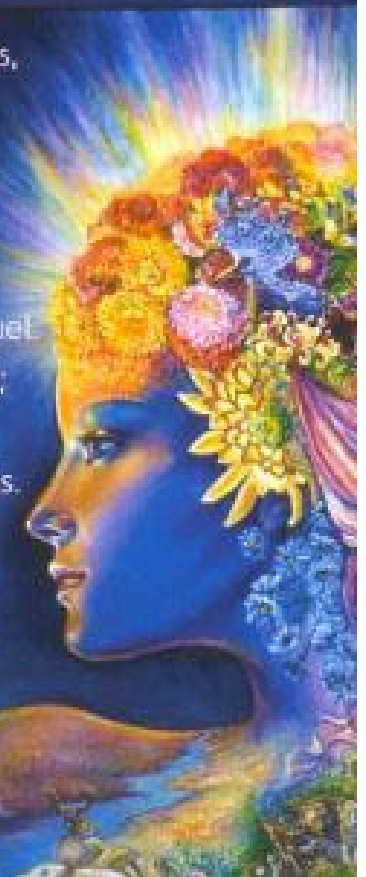
– Tithi Mazumdar
V 'A'



Girls are Jewels

Girls should go to schools,
As they are not tools,
Girls are not fools,
They are very cool !!
Please do not be cruel,
Do not burn them with fuel.
They are loving and loyal;
Not made for duels,
Indeed, all girls are jewels.

– Class
III 'A'



Yes, I Can!

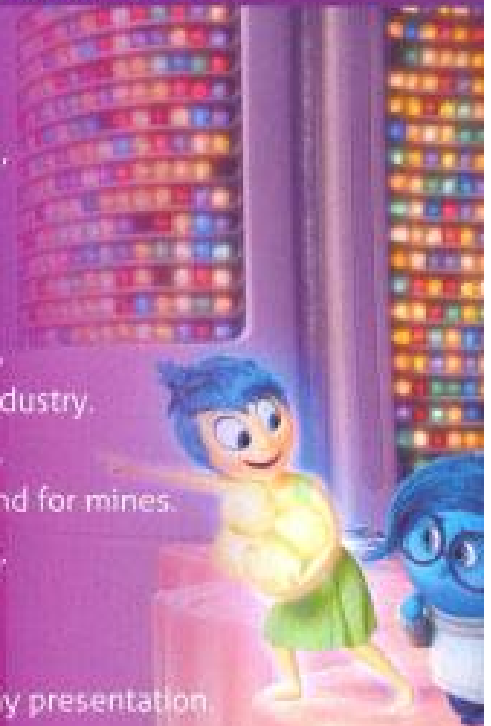
Yes, I can dance,
If I get a chance.
Yes, I can sing,
In front of a king.
Yes, I can read and write,
Then my future will be bright.
Yes, I can draw,
And do craft using beads and straw.
Yes, I can run,
Panting and sweating in the sun.
Yes, I can work hard,
And get good grades in my report card.



- Class
III 'B'

My Nation

Kashmir for ice,
Kerala for rice,
Punjab for fighters,
Bengal for writers.
Andhra for sun,
Goa for fun.
Gujarat for history,
Maharashtra for industry,
Haryana for wines,
Bihar and Jharkhand for mines.
Rajasthan for forts,
Cochin for boats.
This is my nation,
I hope you liked my presentation.



- Santa Prasad
V 'B'



My Sister and I

My sister is cool,
But I am a fool.
She loves to eat,
But I want to cheat.
She is hungry at noon,
I get angry very soon.
Everything she says is true,
I say my favourite colour is blue.
She likes to talk,
And I hate to walk.
She is strong,
And I am always wrong.

- Reaina Manisha Kujur
V 'A'

Children like You & Me

Cadbury, Perk, Five star, Chocho Treat
What to gobble? What to eat?
I can get everything I desire,
From new-new shoes to fancy attire.
All the luxuries are in my fate,
No worries in my life,
No one for me to hate.
But there are some like me
Who can't enjoy the childhood
Pressure to work and earn for livelihood
Don't you think even they have the right to be free?
If a little help is given from someone like you & me,
Although not much option but,
They can enjoy chocolates
With a smile on their faces
And a heart of glee?



- Rishita Pradhan
V 'C'

My School

The name of my school is Loreto Convent. It is located at Doranda, Ranchi. Sister Anjuman Gidh is our principal. My school has a double storey building. It has a beautiful garden in which there are flower beds, fruit trees and big trees. My school has a big play ground also. My school has all facilities for the students-like science lab, computer lab and library. There are classes from Pre-Prep to Twelve. My school is for girls only. About 3000 girls study in my school.



There are sixty teachers in my school. They all are highly qualified. They all work hard for teaching us. I am proud of my school and also for being a part of it.

– Tannu Sinha
I 'C'

My Teacher

In every school there are teachers who teach us. They teach us good manners and good habits. I also have a helpful, very nice and beautiful teacher. Her name is Mrs. S. Kaur. She has long hair. She wears Salwar-Kameez. She is very cute and sweet. She always smiles and whenever I have a problem she solves it very easily. She is the best teacher in the world. I love her very much.

– Dipyanshi
I 'C'



School Days

School days are full of fun
Like the pleasant summer sun,
Laughter, screams and shouts
Join all girls thin, fat and stout
Tring Tring the bell rings,
And we all line up to sing,
Up and down we walk the stairs
Be careful we are under the camera's stare.
In and out goes quiet the class,
As our teacher watches us from behind her glass.
Learning and writing the best we do
For we all wish to get one star or two,
Helper groups and minder groups
We feel proud to be a part of any troupe.
Here we say 'please', 'thank you' 'may I'?
Want to be called the apple of our teacher's eye.
Oh! We love to banter and fight so well
Never back away from giving a yell.
School days Oh! Each day is full of fun,
Enjoy and be glad each and every one.



Dear Teacher

Writings are mine,
But the methods are yours.
Brain is mine,
But the guidance is yours.
Result is mine,
But the faith is yours.
I am a child of my parents,
But a student of yours.
With your guidance and support,
I can do everything,
Yes! I know,

– Ekena Choudhary
I 'B'





JUNIOR SECTION



ASHA KIRAN SWING CENTRE



CLASS PHOTOS



XI Arts



XI
Science
&
Commerce

CLASS PHOTOS



XI Arts



XI
Science
&
Commerce

DISPLAY BOARD

Class - X

BORN IS THE KING

Tonight I can see a star shine

and its splendor fills up the sky

It's the same that appeared with the wise men revered.

When HOPE WAS BORN TONIGHT

Glory to GOD in the HIGHEST

Peace on Earth, Goodwill to all men

Let all of the world sing the chorus of JOY

Because hope runs from this NIGHT



CLASS PHOTOS



XA



XB



XC

DISPLAY BOARD

Class - IX

HAVE PATIENCE, ALL THINGS ARE DIFFICULT BEFORE THEY BECOME EASY...

Patience does not mean waiting for things to happen, but waiting for things to happen with confidence. It is a faith, but patience is the love, the love for someone whom you respect and you want to be better and better than you are and you want to be the best of you.



Patience is a virtue. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being annoyed or irritated. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient.

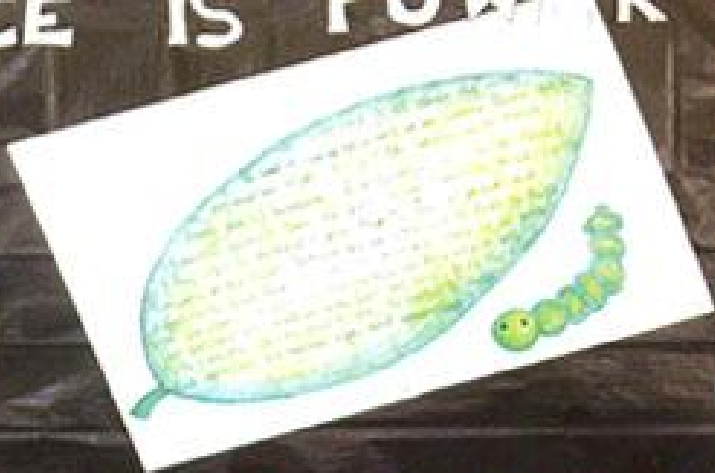
Patience is a virtue. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being annoyed or irritated. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient.

Patience is a virtue. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being annoyed or irritated. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient. It is a quality of mind that enables a person to wait for things to happen without being impatient or impatient.

- S See your goal
- U Understand the details
- C Create a positive mental picture
- C Know you must do all best
- E Embrace your challenge
- S Stay on track
- S Show the world you can do it!



PATIENCE IS POWER



CLASS PHOTOS



IX A



IX B



IX C

DISPLAY BOARD

Class - VIII

ATTAIN IN SILENCE SUCCESS BE YOUR NOISE

SUCCESS



There is no elevator to success, you have to take the stairs.

A LITTLE BIT OF SUCCESS
OF SUCCESS

Has died everyone got it
 things like that have
 success is organically
 people think
 that, so for that when
 that want like hope
 that will show them
 opening eyes
 that, you want, and
 you will receive
 success approach
 that, you want

- of discipline
- to failure...
- not, but success
- conscience, called
- not to be called,
- success without
- of discipline, too
- the student?

WORK IS THE TITLING STONE TO SUCCESS

Work is the key to success. Nothing can be achieved in
 without hard work, our work is a great passion.
 Work is a privilege and a pleasure, whereas is a luxury
 that we can afford. Man is born to work and prosper in life. For
 that, shines in us and is in rest. Work is worship
 in life. Time such a man is controlled by all for the
 of his body and mind. In the end, he did. Nobody can work
 to prosperity without real work. But
 success is a great success if we work hard.

Hard work is the key to success. Nothing can be achieved in
 without hard work, our work is a great passion.
 Work is a privilege and a pleasure, whereas is a luxury
 that we can afford. Man is born to work and prosper in life. For
 that, shines in us and is in rest. Work is worship
 in life. Time such a man is controlled by all for the
 of his body and mind. In the end, he did. Nobody can work
 to prosperity without real work. But
 success is a great success if we work hard.

Hard work is the key to success. Nothing can be achieved in
 without hard work, our work is a great passion.
 Work is a privilege and a pleasure, whereas is a luxury
 that we can afford. Man is born to work and prosper in life. For
 that, shines in us and is in rest. Work is worship
 in life. Time such a man is controlled by all for the
 of his body and mind. In the end, he did. Nobody can work
 to prosperity without real work. But
 success is a great success if we work hard.

Hard Work Gives GREAT Results

Be a child of the stars,
 with hard work and
 perseverance
 Can by the best,
 best of the dream,
 know the enlightenment
 is within you
 For I truly
 believe that
 you can really
 do.

Be a child of the stars,
 with hard work and
 perseverance
 Can by the best,
 best of the dream,
 know the enlightenment
 is within you
 For I truly
 believe that
 you can really
 do.

Be a child of the stars,
 with hard work and
 perseverance
 Can by the best,
 best of the dream,
 know the enlightenment
 is within you
 For I truly
 believe that
 you can really
 do.

CLASS PHOTOS



VIII A



VIII B



VIII C

DISPLAY BOARD

Class - VII

S Set your goal
 U Understand the obstacles
 C Create a better mental picture
 E Clear your mind of all doubt
 E embrace your challenge
 S Stay on track
 S Show the world you can do it!



**WORK HARD IN SILENCE
 LET YOUR SUCCESS BE
 YOUR NOISE**

You don't need more ideas. You need to work hard on the ideas you already have. You don't need the dream. You need the plan. You don't need to see your goal. You need to see your progress.

A truly successful man will keep his mouth shut and his eyes open. He will not brag about his success. He will not show off. He will not let his success go to his head. He will let his success speak for itself.



DREAMS COME ONLY IF YOU DO

Hard work is the key to success. It is not enough to have a dream. You must work hard to make it a reality. You must be willing to sacrifice and to persevere. You must believe in yourself and in your dream.

If you always try your best, you will never have to wonder about what you could have done. If you'd summon all your thunder... And if your best was not as good as you hoped it would be, you still could say "I gave today my best. I had to be me."



STEPS TO SUCCESS

CLASS PHOTOS



VII A



VII B



VII C

CLASS PHOTOS



VIA



VIB



VIC

DISPLAY BOARD

Class - V

HAPPY BIRTHDAY

Handwritten notes and illustrations related to a birthday celebration, including a large cake illustration and a green garland.

THE WOMAN WHO GREW BUTTERFLIES

Handwritten notes and illustrations related to butterflies and flowers, including a large yellow paper with a butterfly drawing and a white paper titled 'THE WOMAN WHO GREW BUTTERFLIES'.

Hilary Ward *a woman of great courage*

Handwritten notes and illustrations related to Hilary Ward, including a portrait of her and various decorative elements like stars and flowers.

CLASS PHOTOS



VA



VB



VC

CLASS PHOTOS

IV A



IV B



IV C



DISPLAY BOARD

Class - III



CLASS PHOTOS

III A



III B



III C



DISPLAY BOARD

Class - II

This section features a collage of student work. On the left is a drawing of a yellow bear with a red scarf and the text "PROGRESS CHART". Next to it are drawings of a winter scene with a snowman and a sailboat on the water. To the right is a portrait of a woman in a white headscarf, a drawing of a bee, and a drawing of a tree. Several small, colorful paper crowns are also attached to the board.

This section has a red background. On the left is a handwritten note on lined paper. Below it is a list of items: "1. Milk", "2. Eggs", "3. Butter", "4. Sugar", "5. Flour", "6. Oil", "7. Yeast", "8. Salt", "9. Vanilla", "10. Baking powder". In the center is a circular drawing of a sun, a cloud, and a bird. To the right is a "HAPPY BIRTHDAY" card with a cake illustration. Below the card is a pink note with text: "I am very happy to have you in my class. I will love to be your friend. I will help you in every way I can. I will be your friend for ever and ever." To the right of the central drawing are several small, golden paper crowns.

This section has a red background with a decorative border. On the left is a drawing of a child's face. In the center is a white banner with the text "DO YOUR BEST AND GOD WILL HELP". Below the banner is a drawing of a white table with three chairs. To the right is a white star, a yellow card with text, and a drawing of a yellow object. There is also a drawing of a yellow object with a green top.

CLASS PHOTOS



II A



II B



II C

CLASS PHOTOS



IA



IB



IC

CLASS PHOTOS



Prep. A



Prep. B



Prep. C

DISPLAY BOARD

Pre Prep.





In the current academic year 2015-2016, the USM group of LCR, under the able guidance of the Principal, Sr. Anjuman and the teachers Mrs. Dalia Chatterjee, Mr. Lali Day and Mrs. Kr. Rakhi took up the following activities.

- i) Cleanliness Drive (Swachh Bharat Abhiyan).
- ii) USM Assembly on Diwali depicting the victory of good over evil.
- iii) Visit to a very poor near by school to distribute necessities among poor and needy students.



It is hoped that the USM group of LCR will continue to remain active and serve the cause of social development through personal transformation.

USM (Universal Solidarity Movement)

Life Training on an Upward March

'Universal Solidarity Movement' of value Education was started in our school to bring about personal transformation and improvement in the students so that they may become responsible and enlightened leaders and play an active role in the formation of a better society.

In the present turbulent social-scenario it is important to prepare the youth of today for the present and future by giving them a clear vision of their life and its purpose. The five paths of USM, conducive to personal growth are :

Five Path of USM :

- 1) Pray for peace everyday according to ones religious tradition to be an agent of peace and reconciliation.
- 2) Skip a meal a week to express solidarity with the hungry and contribute the saving to the poor and needy.
- 3) Do a good deed a day without any selfish motive to develop loving concern for the nation.
- 4) Honour parents teachers and all human beings.
- 5) Respect the earth and save its resources.

Loreto Convent, Ranchi has taken up Universal Solidarity Movement of value Education for peace as an integral part of the school curriculum to help the students develop :

- i) Critical thinking to read and analyse.
- ii) To develop mental strength to cope with all kinds of frustrations.
- iii) Time management.
- iv) Exposure to know the realities of life.
- v) Increase in confidence for public speaking and many more such qualities.



Nature Club

Aim of the Club

Creating a society of motivated citizens committed to conservation, preservation and protection of the environment.

Objectives

Striving towards a life in perfect harmony with nature.

Earth Day - Celebration

22nd April World Earth Day, an annual event, was first celebrated on April 22nd, 1970 and is now co-ordinated globally by the Earth Day Network in more than 192 countries each year. In order to pay tribute to the mother Earth the Members of Nature club from class VII B presented a special assembly wherein they focused on the causes and ill-effects of deforestation, increase in population, global warming, misuse of natural resources, etc. They performed a skit guiding pupils how to save

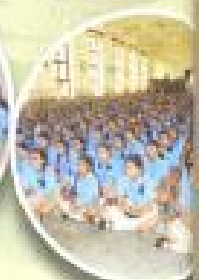
our mother earth. They also told the school the importance of the three Rs i.e Reduce, Recycle and Reuse.

Van Mahotsav

The "Nature Club" organised "Van Mahotsav" in the school. The day started with collecting paper bags made by students from classes 6 to 8 and then the bags were distributed by the members of Nature Club in the nearby shops to promote awareness against using Plastic bags. Planting of medicinal plants was done by class 9 and 10. The school maintains a herbal garden and gives importance to the use of these plants in everyday life.

A Talk Show Activity Conducted

Dr. S.K. Aggarwal gave students information about medicinal values of plants and also distributed 100 booklets and samples of the plant 'Amrita'.





✦ In the month of January the students prepared a special assembly for Republic Day. They portrayed through short skits, the three important aspects of Indian Constitution.

- ✦ EQUALITY
- ✦ RIGHT TO SPEECH & EXPRESSION
- ✦ FRATERNITY

The effort of the students was appreciated by all.

✦ The Month of August is always special because of the "Special Independence Day" assembly. The members presented the untiring, undaunted efforts of our freedom fighters who strived hard to bring freedom to our country. By this they spread the message of self sacrifice, patience and perseverance to shape the future of the nation.

✦ In the month of December, LIS members of classes 6, 7, 8 took initiative to sell cards beautifully made by the women tea planters of Darjeeling which had come from "Mary Ward Darjeeling". This was done enthusiastically by all the members.



Gulf Saribas

LTS - Leadership Training Service



LTS is a "Win/Win" Leadership because it teaches us to provide SERVICE TO OTHERS wherever we are. It teaches us to be leaders chosen by the greatest leaders of all i.e. God. It teaches us to be agents of truth, justice and love. It helps us to imbibe the characteristics of a good leader and gives us motivation to make these characteristics a part of our life. It helps us greatly in personality development. Its motto is 'For God and Country'. It is one among a thousand groups which has given us the lesson of 'Promises to keep'. The promise made to God, the creator and leader of all. The promise to improve the living conditions of at least one person in our whole life and to do it

with our heart and soul.

LTS, Loreto Convent School, Doranda, Ranchi has always taken initiative to spread awareness to instil patriotism in the heart of students, to eradicate social evils by highlighting the root causes behind them and how to bear the responsibilities as a citizen of this planet. To showcase these, all our sessions are planned, organised and conducted by the members themselves. This year our Annual Activities covered varied aspects.



- ✦ In the month of July our LTS members from class XII went for an Anti-Encroachment drive outside our school premises. They spoke to the concerned people and tried to convince them about the traffic jam which is often caused due to lack of parking space.



- ✦ Organize support groups (in schools) which work for children's welfare.
- ✦ Take help of the child helpline number i.e. 8877444444.
- ✦ She also gave us various numbers wherein children can call and share their problems and be assured of help.

Then Mrs. Sampat Meena took over the stage.

She donned the role of a caring mother while informing the children about the acts and gestures that constitute a crime against a minor and taught them the ways to deal with such fogues. She also assured everyone that nowadays there are child friendly police station and child protection officers. She said, "You should know how to react and whom to contact when you face abuse." She gave various helpline numbers and contact numbers of Child Protection Officers. She also said that the CID is now focussing on schools across the state to spread awareness among the students. She greatly inspired and motivated the students to be confident, fearless and to be ready to face all kinds of situations.

This was followed by a highly enthusiastic Interactive Session. Students from various schools actively participated in asking different kinds

of questions concerning the above mentioned issues. Most of the students found the interactive session to be very useful and enriching.

Students were distributed leaflets giving details of POCSO (Protection of children from sexual offences) and various Child Helpline numbers.

They also got a sticker stating they were not using child labour- this could be put on their House doors or cars.

After this session the speakers were felicitated and thanked. The programme was highly successful as it ended on a positive note reflected in the optimistic song SSSS

Achievement : Among a group of 550 children from Private - Public and Government schools across Ranchi, no one knows about POCSO Act, only one child was aware of "Operation-Muskan" launched to trace missing and destitute children and reunite them with their parents by the State CID to rescue trafficked children of Jharkhand, two knew about child - friendly police stations and three children had the helpline numbers already saved, to seek support during any emergency. Students got the information and details of how to protect themselves and others from such growing problems in the country.



JPIC LORETO CONVENT SCHOOL

in collaboration with CID and UNICEF organises an Awareness Programme on **ANTI-HUMAN TRAFFICKING AND CHILD LABOUR**



JPIC, Loreto Convent, Doranda, Ranchi, in collaboration with CID and UNICEF, Jharkhand organized an awareness programme on Human-Trafficking, Child Labour and Violence against children to observe World Human Trafficking Day. This session was basically organized in order to sensitize the students, parents, teachers and other stakeholders of the society regarding the increasing problems of Trafficking and Child Labour especially in Jharkhand which has emerged as India's trafficking hub.

The guest speakers of the day were –

- ✦ Mrs. Sampat Meena
(IC, Organized Crime CID, Jharkhand)
- ✦ Ms. Preeti Srivastava
(Child Protection Officer, UNICEF, Jharkhand)
- ✦ Dr. Madhulika Jonathan
(Chief Jharkhand Field Officer, UNICEF, Jharkhand)

The programme began with an introduction, welcome address, lighting of the lamp and a dance drama based on the well known song Chiquitita presented by our students highlighting how girls enchained by their sorrows and hopelessness, rejoice again, when they receive inspiration and support from the society. Then the speakers shared their views on the topic.

The first speaker was Ms. Preeti Srivastava. She showed a documentary which made it very clear what Human Trafficking, Child Labour and Violence against children actually means. She also showed various data regarding such issues which served as an eye opener. She gave detailed information about laws concerning safety and protection of children.

Her main focus was :

- ✦ Do not employ a child.
- ✦ Sponsor (if possible) a poor child's education.
- ✦ Boycott a place where children are employed.
- ✦ Report about any child labour and violence against children that you are aware of.

The next guest speaker was Dr. Madhulika Jonathan. She spoke about how to work for the protection of children and women. She highlighted the following aspects.

- ✦ Be aware of the gravity of the problem and try to understand it deeply.
- ✦ Children need to be very vigilant of what is going on in and around them.
- ✦ Break the silence, and be vocal and speak out.
- ✦ Parents and teachers should create such an environment at home and in the school where children are free to share their feelings.

6. 26th September, 2015 - 'Pilgrimage to Ulhatu' CLC members of classes VIII, IX and XI visited the Church dedicated to our Lady, where Mass was conducted by Fr. Mascimus, the Parish priest. During this visit, the members also had their 'Oath taking Ceremony'.



7. 19th December, 2015 'Advent Mass' : 'Advent Mass' was organized for the Christian students and their families to prepare for the coming of baby Jesus. The Mass was followed by the 'Nativity Play' performed by the students of the Primary section.



8. 10th February, 2016 : 'Ash Wednesday Mass' Mass was organized for the Christian students to mark the beginning of Lent.

9. 'Way of the Cross' : During Lent, the members visit the school chapel during their Catechism period to participate in the 'Way

of the cross'. It thus helps them to share in Jesus's sufferings and bring them closer to Him.



CLC and Crusaders

The school has two groups CLC and the Crusaders dedicated to inspiring the Christ faith among its members.

CLC (Christian Life Community) is a group comprising of students from class VIII to XII. It is a movement to help students deepen their faith and practice. It aims to groom its members so that they become active participants in all church activities.

The Crusaders (Crusaders of the Eucharist) is a group comprising students of classes VI & VII. The group encourages students to tirelessly to spread the kingdom of God. It teaches its members to be dutiful, generous, determined and obedient just like Jesus was.

Various activities have been organized by both the groups in order to strengthen the Christian faith among its members through prayer, communion, sacrifice and fellowship.

1. The 'First Friday Mass' held every month gives the members the opportunity to become involved in the different activities of the Mass like preparation of the reading, participating in choir etc.
2. Confession was organized in the school once in the month of December and once during the period of Lent. This gives the members an opportunity to repent for their mistakes and start a new life.
3. 1st May, 2015 : 'Crowning of our Lady' A procession was held where members recited the rosary and sang hymns in praise of our Lady.
4. Retreat for Classes XI and XII : Three days 'Retreat' was held from 14th to 16th August, 2015 for the CLC members of Classes XI and XII. The retreat focused on our relationships with God and our parents and also on inculcating good values.
5. 12th September, 2015 : 'Oath Taking Ceremony' : The Crusaders took an Oath to dedicate their lives to Jesus and strive to spread his message among all believers.





LORETO the name itself embalms an arena for Academics, motivation, spiritual guidance, value, discipline and perfection. Grooming of personality, grace and maturity in behavior has always been the prime motive of education in Loreto Schools.

When I look back in time and recall cherished moments I foresee myself as a little child going to the school in my spick and span uniform entering class Prep C. It was in 1980, that my parents, greatly impressed by the school environment, handed my education to Loreto Convent.

It seems like just yesterday that we were standing to attention during the morning assembly and singing hymns, trying to match the rhythm of the piano aloud with Sr. Celine. The sound of the grand piano used to give positive vibes to the school environment. I can still hear the language and the cracking of jokes during the break time which ended with the shrill noise of the school bell. I also reminisce the annual day practices for sports and concerts and our tiffin time which always ended up being a feast.

It is today that I have realized the value of

teachers. It is they who have moulded us, held our fingers and guided us on the right path. It is rightly said that a teacher is bubbling with enthusiasm, when the new flower seeds arrive, eager to see them sprout.

The upbringing of the school has enhanced my confidence and has helped me to excel in life. The Moral Science lessons have nurtured my Moral values which has in turn benefitted the society— I still object to throwing of

garbage in public places.

My association with LARA is only an effort to give back to the school what I have achieved here as a student. My aim is to bring together the past pupils to work as a team in various activities organized by us. These activities such as Debate competition, Career Counselling, Inter-School Cultural meet, etc. are designed to develop the personality and confidence of the present pupils.

I am really thankful to all our sisters for their motivation, guidance and for leading their helping hand in every possible way to carry out our activities efficiently. I also take this opportunity to thank our school staff for their support and for always standing by our side.

I bestow my gratitude to this prestigious institution. I congratulate the school on its 75th anniversary and can proudly say that Loreto will see many more years of Glory and Fame.

CHEERS to the LORETO BANNER.

- Niti Modi
Member of LARA.

Reunion



मिले पुराने दोस्त और त



A grand reunion was organised by the class of 1982 on the 30th and the 31st of October 2015 at Ranchi. Ladies from different parts of the country as well as the world had come together making this a mega event. The years melted away and it seemed as if we were school girls once again. Memories came flooding drowning us in a deluge of emotions!

We have all carved a niche for ourselves and many of us are holding responsible and prestigious position thereby bringing glory to our alma mater, Loreto Convent, Ranchi.

The years which we have spent in Loreto Convent have proved to be the strong foundation on which we have constructed our life and whenever we faced any setbacks which threatened to crumble us, it was this foundation which held us firmly and gave us the strength to swim against the tide. We owe a lot to our dear school. We are what we are today only because of the excellent education that we received in Loreto Convent.

We got the opportunity to visit our school on the 31st October and the couple of hours that we spent within the haloed portals of Loreto brought us immeasurable joy. We were like the many children who had gone far away from home and who had now come back to their mother. It was an exhilarating as well as a humbling experience to stand in the premises of our beloved school, Loreto Convent.

We want to express our gratitude to our school. It would not be fair to say that we can pay back to Loreto Convent for what we have taken from it. We can never do that in our whole life. We want to give a token of gratitude to our school just to express the deep respect and reverence that we have for our dear alma mater.

Our Batch : the class of 1982, decided to give KVP certificates of Rs. 5,000/- to each of the twenty – one domestic staff, the Grade 4 staff. The certificates have already been handed out to the Grade 4 employees of the school. A BENQ 4000 lumens model projector has also been gifted to the school. Beside these books – fiction as well as non fiction – have been donated to the Junior school library. In addition, a child is being sponsored by one of our batch mates. This could have been possible only because the entire batch felt happy to donate generously. It is admirable that many, who were unable to attend the reunion, sent their contributions. This bond that we share with our school is for a lifetime. This umbilical cord which attaches us to our alma mater will never get severed!!

No matter where we are, Loreto lives within us.

We are proud to be Loreto girls.

- Ms. Shaw
Teacher



Memoirs

Loreto Convent is the name of that prestigious educational institution of which I have been a part and am associated with for the past 39 years. One may wonder how this is possible. Let me tell you the secret. It is like this— eleven years of schooling and 28 years of teaching. So, one can well imagine the feelings, emotions and love attached with this institution which I consider to be my second home.

Time plays an important role in everyone's life and it flies within a blink of an eye. We get to know its importance only when we rationalize it with our own life. Life is a journey and the path we tread depends on us as it is we who determine our own destination. I was a student of this institution and have participated in all the school activities with much joy and enthusiasm.

It was in July 1988 that I came back to this institution, my school, but this time, as a teacher. My happiness knew no bounds. I joined as a music teacher. As rightly said- If you love something, love it completely, cherish it, say it. But most importantly show it. Everything is important, but love outlives us all. And I strongly believe in this. The love and respect for this institution did not allow me to join elsewhere. Moreover, I owe a lot to this Institution and wanted to give it back the training and values received from my teachers and sisters of this school. Whatever I have learnt from this institution has enabled me to stand where I am today and proudly declare "I am a Loreto Girl". It is indeed a very big life time achievement and a milestone in one's career to be associated with such an Institution. My love for this Institution was further enhanced with the formation of the Alma Mater LARa i.e. Loreto Alumnae of Ranchi, under the able guidance of Sr. Bernadette in the year 2004, the then Principal of the school and I am highly honoured to have been given the post of President of the Alma Mater.

The main aim of this association is to bring all the ex-students together and contribute substantially

and effectively to their school by sharing their experience, expertise and skills.

LARa has successfully completed 12 years of existence. Certain activities for the benefit of the students are held every year. This helps to build in themselves team spirit and to develop their personality. The ICSE toppers are felicitated every year. The 1983,1986,1987 batches have very generously contributed towards the school Audio-Visual lab, the school crest and BPL children.

My heartfelt thanks to all the sisters and teachers who have constantly lent their helping hands- guided, supported and motivated us- LARa, in every possible way, to carry out our activities smoothly, effectively and efficiently.

At present, there are about 200 members and I hope that this number multiplies every year. May LARa remain united in the years to come and join hands for the upliftment and betterment of the school and society.

All schools have their own ideals and identity. Loreto too, has its own identity which is beyond comparison. It is held in high esteem and therefore one must revere the name of the school, be loyal and truthful so that when the school days are ended and our paths are varied and divided, the ideals of purity, duty and truth may still be our guide in whatever we do and wherever we go. I am reminded of these lines by Robert Frost-

*The woods are lovely, dark and deep,
But I have promises to keep
And miles to go before I sleep
And miles to go before I sleep.*

I do hope to endeavour and give many more years of dedicated service and inculcate in the students the values of this school and Mary Ward our foundress-freedom, justice and integrity and pray that Loreto climbs to greater heights of glory.

- Pratima Bose
Teacher



I consider myself to be fortunate enough to be a part of this great institution for over twenty-two years, where we are able to serve our nation, our mother land, by teaching the little ones the right way of living life!

It has been my dream to help children grow into well balanced and complete human beings.

I am happy that children here get the opportunity to help fulfil that dream. They are nurtured to grow up to be responsible and dutiful children who would follow the Loreto tradition of 'Lighting a Candle' and brighten up each life they touch.

As we do this we must remember that India may not be the most powerful nation in the world but Indians are recognized as good, sincere, loving and hardworking people.

In today's world things are changing very fast but human values and principles will remain the same forever.

Therefore, we must work hard to nurture and preserve them.

I pray to God, the Almighty, to let all of us to live the ideals of Loreto in our lives and serve Him each day.

Mrs. B.C. Bose
Senior Teacher (Jr. Section)

Editorial Team



Editorial Team (Teachers) for the School Magazine

Editorial Team (Students) for the School Magazine



Riya Kumar, X 'A'



Tanvi Gaurav, X 'B'



Sharqa Tabrez, X 'C'



Devleena Prasad, IX 'A'



Advika Pandey, IX 'B'



Shreya Prasad, IX 'C'

Cover Painting by : Neha Kerketta, Class IX 'B'



Editorial...

This second edition of 'Musings' is the creative expression of the deep insights and vision of all the enthusiastic and zealous students of Loreto Convent who wanted to make this event a memorable one.

It provides a forum especially for our students to convey their views and give direction to their potential. It is a joint effort of all the students of Loreto Convent under the able guidance of dedicated teachers and supportive and motivating principals associated with the school for many years.

We got an overwhelming response from our young writers and poets. Almost all the students right from classes Prep to XII contributed their stories, poems, articles, paintings, drawings, etc. for this school magazine. It was really a tedious job for the teachers as well as the students in the Editorial Board to sort out articles and select suitable material for Musings. We have been greatly encouraged to discover that our students possess immense literary talent.

We express our sincere gratitude to our principal Sister Anjuman Gidh and all the sisters of the Loreto Community who have been a strong and guiding force throughout. The efforts put in by the teachers as well as the students Editorial Board, because of whom this second edition of Musing is a success, is worth mentioning.

We gratefully acknowledge the constant support of the members of LARa.

We would also like to thank the e-Care associates who have helped us in typing the articles for the magazine.

In fact, the success of the second edition of Musing is due to the effort of all those who are associated with Loreto Convent.

We hope our readers may find the edition interesting and worth reading.

- Mrs. Reema Sharma
Editor

Building Photograph



Non-Teaching Staff



Captains



Teaching Staff



Ranchi Community



Office Staff



Sr. Anjuman Gidh.

Principal



Loreto Convent

Doranda, Ranchi - 834 002

Jharkhand

Ph. : 0651-2410042



I am proud and privileged to be a part of Loreto Convent, Ranchi. The School has been an enriching and rewarding educational journey over the past two and half years. I am blessed with hundreds of beautiful young children, parents and scores of intelligent and devoted teachers. I appreciate and cherish all the good will and cooperation of my Loreto family.

The school is the place which provides the opportunity to each child to grow to her fullest. Students live in a place of grace and as they more consciously receive blessings, they become a field of compassion. Each one becomes open to love a little more completely, and then, love pours out of them into the school and society at large. As they become free, others experience freedom in their presence and can open up to love too. This is the life work of the students - what the school and society asks, and what this moment in time demands.

We believe that such things can happen, that a single person can make an exceptional difference, when one becomes a grace to others, because we always affect the energy around us, no matter what we do, either in a negative or positive way. Thus students have to become aware of their power and choose consciously how they will shape themselves and the society.

Our foundress Mary Ward said "Women in time to come will do much". These women, you and I, the daughters of Mary Ward, together with our positive energy, can empower the society. So lets imagine the grace, then hold it in our hearts and manifest one at a time, a place of compassion.

Sr. Anjuman Gidh.

Principal

MESSAGE



Sr. Philomena

Former Principal



Loreto Convent

Doranda, Ranchi - 834 002

Jharkhand

Ph : 0651-2410042



MESSAGE

It has been my proud privilege to have been associated with Loreto Convent Ranchi over a span of 50 years. I have seen students soar to new heights in the academic and humanitarian fields as they develop the God-given talents that were awakened in the 'Sunny days of Youth' in this lovely school. In LCR the competitiveness that each child has been encouraged to work on, which has been to improve themselves, has helped them reach their goal after they entered the rat race of the competitive corporate world.

The frequent visits of Alumnae who return from afar, to share their success stories, have always been enlightening and whether they are shining on the beaten track as Doctors and Engineers or in the Aesthetic field or in International Law with women terrorists, they are all shining examples of women on a mission to humanity.

They are the Mary Ward women of today who are proudly breaking ground in their lives of service. They are blessed with diversity of gifts and ministries and like Mary Ward, for whom even in the 16th century universality and mobility were natural realities, our Loreto Ranchi women today recognize the signs of the times and answer the needs of the 21st century wherever they are.

May the students of today continue the journey of service and love treading the paths they have been guided on in their school days. May they follow their dreams truly believing that in freedom and sincerity they are called by God to bear witness to the good news and work in ways we cannot even dream of today. Having received much, may they be able to place their eyes and hearts on the people suffering from misery and oppression and live out Mary Ward's maxim- "Our happiness and security and progress are not to be in riches, greatness and the favour of Princes, but in having open and free access to God Almighty from where must come our strength, light and protection".

Sr. Philomena

Former Principal





THE RANCHI LORETO EDUCATIONAL SOCIETY

Loreto Convent, Doranda H.P.O., Ranchi 834 002, Phone : 0651 2410042



I congratulate Sr. Anjuman Gidh, the Principal of Loreto Convent Ranchi, the Ranchi editorial team and all the contributors to 'Musings 2015-16'.

The name 'Musings' is quite an unusual name for a magazine, yet quite appropriate. To muse, one needs time, a certain amount of introspection, inward gazing—an almost meditative stance.

Our pace of life today is so fast that in the words of the poet William Henry Davies in 'Leisure' - 'We have no time to stand and stare'—yet it is precisely during these moments of seeming inertia and unproductivity that the potential for something different, something out of the ordinary is born.

I commend the efforts of the Principal and Staff for providing such opportunities to the students of the school—to produce something creative, something beautiful, something original in 'Musings 2015-16'

God bless each one.

Anita M. Braganza
Sr. Anita Maria Braganza
President

MESSAGE





School Crest

This crest is familiar to Loreto Pupils worldwide. It is surmounted by the words

"Maria Regina Angelorum

Which indicate the patronage of
Our Lady, Queen of Angels.

The emblem is rich in symbolism;

The Cross - sign of our Salvation;

The Sacred Heart - Source of the infinite love of
Jesus for each one of us;

The Heart of Mary - Our human model and inspiration;

The anchor - symbol of hope

This symbolism is summed up in the final scroll:

"Cruci Dum Spiro Fido" "Throughout my life,
I shall place my hope in the cross".

Mary Queen of Angels

In the Cross,

While I breathe

I trust



LORETO CONVENT SCHOOL

Loreto Convent School Doranda, Ranchi, Jharkhand

Phone: 0651-2410042

Email: contact@loretodoranda.org

Website: www.loretodoranda.org